RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः60 , सोमवार, 13 अप्रैल 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

नामांकन बढ़ाने को श्री रामेश्वर मध्य विद्यालय की जागरूकता रैली, घर-घर जाकर अभिभावकों ... 03

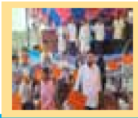
बिजई में मेधावियों का सम्मान, 20 छात्रों को साइकिल और गांव के दारोगा बेटे का... 04

तृप्ति डिमरी ने रचा इतिहास, बनी विक्टोरिया सीक्रेट से हाथ मिलाने... 07

संक्षिप्त समाचार

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर फंसे हैं 20,000 भारतीय नाविक

- ईरान युद्ध के बीच भारत ने लॉन्च किया स्पेशल ऑपरेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान में बातचीत फेल होते ही भारत अलर्ट मोड में आ गया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे 18 जहाजों को निकालने के लिए भारत ने ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इन जहाजों पर लदा माल भारत आना है। भारत के इस ऑपरेशन का उद्देश्य एनर्जी सिक्योरिटी को बहाल करना और भारत के बंदरगाहों पर जमा माल साफ करना है। जंग फिर से शुरू होने की अटकलों के बीच भारत सरकार ने यह ऑपरेशन इसलिए लॉन्च किया, ताकी तेल टैंकर, एलपीजी और पीएनजी से लदे जहाज सुरक्षित रूप से लौट सकें। बता दें कि ईरान बनाम इजरायल और अमेरिका के युद्ध के कारण भारतीय बंदरगाहों पर गंभीर रुकावटें आ रही हैं।

एलपीजी जहाज ने पार किया होर्मुज

बंदरगाहों को इन जहाज़ों को बर्थिंग में प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार एलपीजी जहाज ग्रीन आशा ने होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर लिया है और मुंबई स्थित पोर्ट की ओर बढ़ रहा है। भारत के अभियान से बंदरगाहों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, जहां करीब 106,890 केजी के कंटेनर और बड़ी मात्रा में खराब होने वाला माल फंसा हुआ है।

असम के बाद अब बंगाल का रुख करेंगे हेमंत सोरेन

- टीएमसी के लिए मांगेंगे वोट, आदिवासी इलाकों पर फोकस

रांची (एजेंसी)। असम में अपने दल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवारों के पक्ष में धुआंधार चुनाव प्रचार करने के बाद अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जल्द ही बंगाल का रुख करने जा रहे हैं। वहां वे सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के समर्थन में चुनावी अभियान को धार देंगे। उनके कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जबकि झामुमो के वरिष्ठ नेता पहले ही बंगाल पहुंचकर समन्वय की रूपरेखा तैयार करेंगे। ममता बनर्जी के समर्थन में झामुमो पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भी हेमंत सोरेन ने तृणमूल के पक्ष में प्रचार किया था, जिसका असर खासकर आदिवासी बहुल क्षेत्रों में देखने को मिला था। इस बार भी मुख्य फोकस बंगाल के आदिवासी बहुल इलाके होंगे। झारखंड से सटे जंगलमहल क्षेत्र के अलावा उत्तर बंगाल के जिलों में भी उनकी सभाएं प्रस्तावित हैं। इन इलाकों में झामुमो की विचारधारा और सामाजिक आधार को विस्तार देने की रणनीति पर काम किया जा रहा है।

अभी न जाओ छोड़कर...कि दिल अभी भरा नहीं

चेस्ट इंफेक्शन के बाद अस्पताल में भर्ती थीं, अंतिम संस्कार आज

मशहूर सिंगर आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन

मुंबई (एजेंसी)। सिंगर आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। रविवार दोपहर मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें शनिवार शाम को यहां भर्ती किया गया था। ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल के डॉ. प्रतीत समदानी ने न्यूज एजेंसी को बताया कि आशा भोसले को कई मेडिकल समस्याएं थीं और मल्टी-ऑर्गन फेल्योर यानी कई अंग फेल होने के कारण उनका निधन हुआ।

आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले ने बताया कि जो लोग अंतिम दर्शन करना चाहते हैं, वे कल सुबह 11 बजे उनके घर आ सकते हैं। अंतिम संस्कार कल शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा। 12,000 से ज्यादा गाने गाए आशा भोसले ने अपने करियर में 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गाने गाए। उनके गाने 'इन आंखों की मस्ती', 'दम मारो दम', 'पिया तू अब तो आजा' और 'चुरा लिया है तुमने' आज भी लोकप्रिय हैं। आशा भोसले मशहूर थिएटर एक्टर और क्लासिकल सिंगर दीनानाथ मंगेशकर की बेटी और लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। जब वो सिर्फ 9 साल की थीं तब उनके पिता का निधन हो गया था, जिसकी वजह से उन्होंने बहन लता मंगेशकर के साथ मिलकर परिवार को सपोर्ट करने के लिए सिंगिंग शुरू कर दी थी।

आशा भोसले के निधन पर पीएम मोदी ने जताया दुख

- कहा-मुलाकातों की यादें हमेशा संजोकर रखूंगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय संगीत जगत की दिग्गज गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित आशा भोसले के निधन पर दुख जताया। पीएम मोदी ने आशा भोसले के साथ अपनी पुरानी मुलाकात की कई फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की और कहा उनके साथ हुई मुलाकातों की यादें हमेशा संजोकर रखेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आशा की असाधारण संगीत यात्रा ने हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया और दुनिया भर में अनगिनत दिलों को छुआ। चाहे उनकी दिल को छू लेने वाली धुनें हों या उनकी जोशीली रचनाएं।

शाह बोले- हर संगीत प्रेमी के लिए दुखद दिन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आशा भोसले के निधन पर दुख जताते हुए एक्स पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, आज हर भारतीय और विशेषकर मेरे जैसे हर संगीत प्रेमी के लिए दुखद दिन है, जब हम सबकी प्रिय आशा भोसले जी हमारे बीच नहीं रहीं। आशा ताई ने न सिर्फ अपनी मधुर आवाज और अद्वितीय प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाई।

दुश्मनों के लिए काल बनेगी ध्रुवास्त्र मिसाइल

एपीजे अब्दुल कलाम ने की थी कल्पना, अब सेना में होगी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन द्वारा विकसित ध्रुवास्त्र मिसाइल भारतीय सेना के बेड़े में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह हेलीकॉप्टर से दागी जाने वाली नाग एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल का आधुनिक संस्करण है, जिसे पहले हेलिना के नाम से जाना जाता था। यह मिसाइल न केवल भारत की आत्मनिर्भर भारत मुहिम को मजबूती प्रदान करेगी, बल्कि युद्ध के मैदान में खासकर ऊंचे पहाड़ी इलाकों में भारतीय वायुसेना और थल सेना की मारक क्षमता को कई गुना बढ़ा देगी।

थर्ड-जनरेशन फायर एंड फॉरगेट प्रणाली शामिल

ध्रुवास्त्र भारत के इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम का हिस्सा है। इसकी परिकल्पना 1980 के दशक में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नेतृत्व में की गई थी। नाग मिसाइल परिवार के तहत अब तक जमीन से दागी जाने वाली नाग, कैरियर और मैन-पोर्टेबल जैसे कई संस्करण तैयार किए जा चुके हैं। ध्रुवास्त्र इसी कड़ी का हवाई संस्करण है। ध्रुवास्त्र की सबसे बड़ी ताकत इसकी थर्ड-जनरेशन फायर एंड फॉरगेट प्रणाली है। एक बार लक्ष्य पर लॉक होने के बाद, मिसाइल ऑटोमैटिक रूप से उसे ट्रैक कर नष्ट कर देती है।

स्वदेशी हेलीकॉप्टरों की ताकत

ध्रुवास्त्र को विशेष रूप से लद्दाख जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए तैयार किया गया है। इसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित रुद्र और प्रचंड जैसे अटैक हेलीकॉप्टरों से दागा जा सकता है। हाल ही में सरकार ने 156 प्रचंड हेलीकॉप्टरों के ऑर्डर दिए हैं। इन हेलीकॉप्टरों पर ध्रुवास्त्र की तैनाती से भारतीय सेना को सीमा पर दुश्मन के टैंकों और बख्तरबंद गाड़ियों के खिलाफ एक निर्णायक बढ़त मिलेगी। सरकार ने सितंबर 2023 में लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से 200 से अधिक ध्रुवास्त्र मिसाइलों की खरीद को मंजूरी दी थी। एक मिसाइल की लागत 1 करोड़ रुपये से भी कम रहने का अनुमान है। इसकी तैनाती के बाद भारत को रूस या यूरोप से कोंकुर्स और मिलान जैसी पुरानी मिसाइलें आयात करने की जरूरत कम हो जाएगी। ध्रुवास्त्र की सफलता के बाद डीआरडीओ मिशन में काम कर रहा है।

इस्लामाबाद में 21 घंटे तक चली बातचीत बेनतीजा रही

ईरान-अमेरिका के बीच नहीं बन पाई बात

अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले- हमने उन्हें फाइनल ऑफर दिया

ईरान बोला-ट्रम्प की शर्तें ज्यादा सख्त, उन्हें मानना असंभव

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शांति को लेकर चल रही बातचीत बेनतीजा रही। यह 21 घंटे से ज्यादा समय तक चली। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर पेंच फंसा है। वेंस अपनी टीम के साथ अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं। लौटने से पहले उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि अमेरिका बिना डील के लौट रहा है। यह अमेरिका से ज्यादा ईरान के लिए बुरी खबर है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी समझौते के लिए जरूरी है कि ईरान ये वादा करे कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। अमेरिका की शर्तें स्पष्ट थीं, लेकिन ईरान ने उन्हें नहीं माना। वेंस ने यह भी कहा कि आगे समझौते की संभावना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा, हम उन्हें फाइनल ऑफर देकर जा रहे हैं। अब देखना है कि ईरान इसे मानता है या नहीं। वहीं, ईरान ने कहा कि अमेरिका की शर्तें जरूरत से ज्यादा सख्त थीं। इस वजह से समझौते का रास्ता नहीं निकल पाया।

टीएमसी ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए

- पीएम बोले-अब 15 साल का हिसाब देना होगा
- कहा-सिलीगुड़ी की जनसभा उनकी नींद उड़ा देगी

कोलकाता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि चुनाव के बाद बंगाल से टीएमसी का जाना तय है। कल मेरे रोड शो में लोगों ने जो प्यार दिखाया, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। आज सिलीगुड़ी की यह जनसभा टीएमसी की नींद उड़ा देगी। पीएम का रविवार को पश्चिम बंगाल दौरे का दूसरा दिन था। वे सिलीगुड़ी में जनसभा कर रहे थे। मोदी ने दार्जिलिंग की सभी 5 और जलपाईगुड़ी जिले की सभी 7 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे। इस दौरान उन्होंने कहा- टीएमसी ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए, लेकिन यहां के विकास के लिए कुछ नहीं किया। वह सिर्फ अपने खास वोट बैंक के लिए पैसे देती है। आपने टीएमसी के निर्मम शासन काल में इतने सालों में पश्चिम बंगाल की बर्बादी देखी है। उन्हें 15 साल का हिसाब देना होगा। सभा के दौरान पीएम ने सीएए (नागरिकता (संशोधन) अधिनियम) का भी जिक्र किया। उन्होंने 'कमल खिलाओ, घुसपैठिया भगाओ' के नारे लगाते हुए कहा कि टीएमसी की सरकार निर्मम है, लेकिन हमने मदद की है।

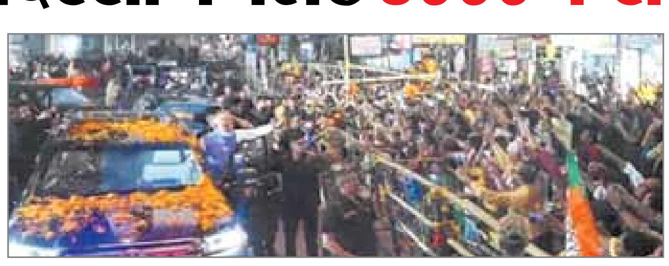

देश में एक 'टुकड़े-टुकड़े गिरोह' सक्रिय है

देश में एक टुकड़े-टुकड़े गिरोह सक्रिय है, जिसने सिलीगुड़ी कॉरिडोर को बंद करने की धमकी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिलीगुड़ी की जनसभा में कहा कि टीएमसी ने काम नहीं केवल काले कारनामे किए हैं। उन्होंने ने नॉर्थ बंगाल की संरचना को पीछे रखा हुआ है। सिलीगुड़ी में जनसभा के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की जनता टीएमसी सरकार से पाई-पाई का हिसाब मांग रही है।

महिला आरक्षण विधेयक पर सरकार की पूरी तैयारी

बीजेपी ने सांसदों को जारी किया 3 लाइन की व्हिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी कर उनसे गुरुवार से शुरू होने वाले संसद के विस्तारित बजट सत्र के दौरान अपने-अपने सदन में उपस्थित रहने को कहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने 16 से 18 अप्रैल तक तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया है। इस दौरान महिला आरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों पर विचार करने एवं इन्हें पारित करने के लिए पेश किए जाने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गत बुधवार (आठ अप्रैल) को उन प्रारूप विधेयकों को मंजूरी दे दी जिनका उद्देश्य 2029 के संसदीय चुनाव से पहले महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करना और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 816 करना है। इनमें से 273 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। भाजपा ने अपने सभी सांसदों को भेजे संदेश में कहा, 16 से 18 अप्रैल 2026 तक यानी आगामी गुरुवार से शनिवार तक लोकसभा और राज्यसभा में भाजपा के सभी सदस्यों को तीन-लाइन का व्हिप जारी किया जा रहा है। इसने कहा, सभी माननीय केंद्रीय मंत्रियों और सदस्यों से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त तीनों तिथियों पर सदन में उपस्थित रहें। संदेश में कहा गया, सदन में उपस्थिति अनिवार्य है। कोई अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। सदस्यों से अनुरोध है कि वे व्हिप का सख्ती से पालन करें और सदन में अपनी निर्बाध उपस्थिति सुनिश्चित करें।

परिसीमन कानून में संशोधन के लिए अलग बिल लाएगी सरकार

राज्यों की विधानसभाओं में भी इसी अनुपात में सीटों का आरक्षण होगा। सरकार एक संशोधन बिल के एक संविधान साथ-साथ परिसीमन कानून में संशोधन के लिए अलग साधारण बिल भी लाएगी। ताकि नए सिरे से सीटों का निर्धारण हो सके। नई सीटों का निर्धारण 2027 की जनगणना के बजाय 2011 की जनगणना के आधार पर किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने सभी दलों को चिट्ठी लिखी

पीएम मोदी ने लिखा कि 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाने चाहिए। महिलाओं को राजनीति में ज्यादा प्रतिनिधित्व देने की इच्छा सभी पार्टियों ने लंबे समय से जताई है, अब इसे हकीकत में बदलने का समय है। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पत्र के जवाब में पत्र लिखकर कहा कि राज्य चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाना यह दिखाता है कि सरकार इस कानून को राजनीतिक लाभ के लिए जल्दबाजी में लागू करना चाहती है। खड़गे ने यह भी मांग की कि इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और परिसीमन से जुड़े मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की जाए। इस प्रस्ताव के तहत लोकसभा की सीटें मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 की जाएंगी, जिनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

हेडगेवार ने एकता और आजादी के लिए आरएसएस बनाया था

- भागवत बोले-हिंदू समाज में एकता की कमी, ये बार-बार गुलामी की बड़ी वजह

निजामाबाद (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने देश को विदेशी शासन से आजाद कराने और हिंदुओं के बीच फूट को खत्म करने के मकसद से आरएसएस की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि हेडगेवार का मानना था कि समाज में एकता की कमी ही बार-बार गुलामी की बड़ी वजह रही। संघ प्रमुख ने कहा कि हेडगेवार ने ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए राजनीतिक और हथियारबंद विरोध समेत कई रास्तों पर काम किया था। भागवत ने कहा कि आजादी के लिए काम करते हुए हेडगेवार को यह एहसास हुआ कि अंग्रेज भारतीयों को गुलाम बनाने वाले पहले बाहरी शासक नहीं थे। उनके मुताबिक, समस्या सिर्फ बाहर से आने वाली ताकत नहीं थी, बल्कि समाज के भीतर भी एक कमी थी। भागवत शनिवार को तेलंगाना के निजामाबाद जिले के कंडाकुर्थी गांव में श्री केशव स्फूर्ति मंदिर के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। यह गांव हेडगेवार का पैतृक गांव है। उन्होंने कहा- हममें कोई कमी थी, जिसकी वजह से हमें बार-बार हार का सामना करना पड़ा। इसलिए उस कमी को दूर करना जरूरी था। हिंदुत्व का मतलब दूसरों के साथ मिलकर रहना है।

संक्षिप्त समाचार

लालगंज में रोड सेफ्टी के नाम पर अवैध वसूली

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र में रोड सेफ्टी के नाम पर अवैध वसूली करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। यह घटना लंगड़ी पाकर सब्जी मंडी के पास हुई, जहां वाहनों को रोककर उनसे जबरन 500 रुपये वसूले जा रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही तीन लोग भागने लगे, जिनमें से एक को पीछा कर पकड़ लिया गया, जबकि दो अन्य फरार हो गए। गिरफ्तार युवक की पहचान पटना निवासी उमेश कुमार के पुत्र ललन कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, आरोपी दुकान के सामने एक बैनर लगाकर खुद को रोड सेफ्टी अभियान का अधिकारी बताते थे। वे आने-जाने वाले वाहन चालकों को रोककर उनसे जुर्माने के नाम पर पैसे वसूलते थे। वाहन चालकों को एक फर्जी कागज भी दिया जाता था, जिस पर सड़क सुरक्षा की मुहर और आरटीओ के हस्ताक्षर होने का दावा किया गया था। पुलिस को आशंका है कि यह एक संगठित गिरोह हो सकता है, जो विभिन्न थाना क्षेत्रों में घूम-घूमकर इस तरह की ठगी कर रहा है। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपी ललन कुमार से पूछताछ कर रही है और फरार हुए दो अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है। प्रशासन ने आम जनता से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित थाने को देने की अपील की है ताकि ऐसे फर्जीवाड़े को रोका जा सके। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, इस तरह की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। एसबीआइ (विशेष शाखा) के एक अधिकारी ने बताया कि करीब डेढ़ साल पहले महुआ रोड पर भी इसी तरह की शिकायत मिली थी, लेकिन टीम के पहुंचने से पहले आरोपी फरार हो गए थे। इसके अलावा, बिदुपुर थाना क्षेत्र में भी लगभग एक सप्ताह पूर्व फर्जी स्टिकर लगाकर पैसे वसूलने की ऐसी ही घटना की सूचना मिली थी। उन्होंने कहा कि कागज पर सड़क सुरक्षा का मुहर और आरटीओ का साइन बना हुआ था, जिससे वह असली प्रतीत हो रहा था। अन्य स्थानीय लोगों ने भी बताया कि अगर यह कार्य किसी सरकारी विभाग द्वारा किया जा रहा होता, तो संबंधित लोग पुलिस को देखकर भागते नहीं। लोगों ने बताया कि पुलिस के पहुंचते ही आरोपी भागने लगे, जिससे उनके फर्जी होने की पुष्टि होती है।

वैशाली के सैदाबाद में अग्निकांड से 15 घर जले

हाजीपुर। वैशाली जिले के राघोपुर प्रखंड क्षेत्र के सैदाबाद पंचायत के वार्ड संख्या 3 में बीते 6 अप्रैल को आए भीषण अग्निकांड ने कई परिवारों की रातों की नींद उड़ा दी थी। आग ने कुल 15 घरों को राख कर दिया, जिससे परिवार बेघर हो गए थे। रविवार को राघोपुर अंचल कार्यालय की ओर से पीड़ितों के लिए राहत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अंचल अधिकारी राजीव रंजन चौधरी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी 15 अग्नि पीड़ित परिवारों को 12-12 हजार रुपये की सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। इस मौके पर सैदाबाद पंचायत के मुखिया सुनील कुमार कर्मवीर, लोजपा प्रखंड अध्यक्ष रामजीवन पासवान, लोजपा नेता जीडी

यादव सहित कई जनप्रतिनिधि और स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंचल अधिकारी ने कहा, "आपदा की इस घड़ी में प्रशासन पीड़ितों के हर संभव मदद के लिए तत्पर है।" उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी आवश्यक सहायता दी जाएगी। राहत पाकर पीड़ित परिवारों के चेहरे पर संतोष और राहत देखी गई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। जनप्रतिनिधियों ने भी प्रशासन की त्वरित कार्रवाई और संवेदनशील पहल की सराहना करते हुए कहा कि समय पर मिली सहायता से परिवारों को काफी राहत मिली है। अंचल अधिकारी राजीव रंजन चौधरी की सक्रियता और संवेदनशील कार्यशैली की पूरे क्षेत्र में प्रशंसा हो रही है। उनके नेतृत्व में त्वरित राहत वितरण ने प्रशासन की जिम्मेदारी और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को साबित किया है। इस पहल से पीड़ितों को न केवल आर्थिक सहयोग मिला, बल्कि यह विश्वास भी जागा कि प्रशासन संकट की घड़ी में उनके साथ खड़ा है।

युवक ने कुएं में कूदकर दी जान, घर से 50 मीटर दूर मिला चप्पल, केला बागान से शव बरामद

हाजीपुर। वैशाली में रविवार को केला बागान स्थित कुएं में गोते लगाकर युवक ने आत्महत्या कर ली। घटना बिदुपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खिलवत पंचायत के कमालपुर सिंघिया गांव की है। मृतक की पहचान राजबलम राय के पुत्र राजेंद्र राय (41) के रूप में हुई है। वह शिलांग में एक निजी कंपनी में कार्यरत था और बीते मंगलवार को घर आया था। मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कुएं के पास ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। कुएं की बिगड़ी हालत को देखते हुए मौके पर पहुंची प्रशासनिक टीम ने शव निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीम को सूचित किया। फिलहाल लोग एसडीआरएफ के आने का इंतजार कर रहे हैं। मृतक के पिता राजबलम राय ने बताया, "बेटे का परिवार से क्या विवाद हुआ, इसकी जानकारी नहीं है। रविवार सुबह जब हम उठे तो पता चला कि वह रात से ही घर से गायब है। आस-पास तलाश करने पर घर से करीब 50 मीटर दूर कुएं के पास उसके चप्पल, सिगरेट का पैकेट और लाइटर मिले। इसके बाद कुएं में कांटा डालकर खींचा गया तो पानी से शव ऊपर आया । शरीर पर कोई कपड़ा न होने के कारण निकालने में दिक्कत हुई। इसकी सूचना बिदुपुर पुलिस को दी गई।" मृतक राजेंद्र राय के दो पुत्रियां और एक पुत्र है। बड़ी पुत्री हायर सेकेंडरी में पढ़ती है और शादी योग्य है। अन्य दोनों संतान भी पढ़ाई कर रहे हैं। युवक के इस कदम से पत्नी, तीनों बच्चों, पिता और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। स्थानीय लोगों में घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कारण सामने नहीं आया है। इससे मामला संदिग्ध प्रतीत होता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भाभी की हत्या के आरोपी ने हाजत में खाया जहर

हाजीपुर। वैशाली में प्रेम-प्रसंग में भाभी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार युवक ने हाजत में जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना के बाद पुलिस ने उसे तुरंत लालगंज के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। युवक की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। घटना बेलसर थाना क्षेत्र के मौना बिशनपुर गांव की है। शनिवार 11 अप्रैल को गर्भवती महिला का शव आंगन में पड़ा मिला। महिला से पड़ोस में रहने वाले देवर ने पहले रेप का प्रयास किया। जब महिला ने इसका विरोध किया तो उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। घटना की सूचना आरोपी खुद ही पुलिस को फोन पर दी। महिला की पहचान राधा कुमारी (26) के रूप में हुई है। उसके दो बच्चे (एक बेटा, एक बेटी) है। पुलिस जांच के दौरान महिला के देवर साहिल पटेल पर प्रेम-प्रसंग में हत्या का आरोप लगा। इसके बाद पुलिस ने शनिवार की रात उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद साहिल पटेल को बेलसर थाना लाया गया था। यहीं हाजत में उसने जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे अस्पताल पहुंचाया। वैशाली मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी थाना क्षेत्र की राधा कुमारी की शादी 7 साल पहले बेलसर थाने के दीपक पटेल के साथ हुई। दीपक पटेल शादी के बाद अक्सर काम के सिलसिले में घर से बाहर रहता था। घटना के दिन (शनिवार) को भी पति पुणे में नौकरी कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इसी दौरान घर से 100 मीटर की दूरी पर रहने वाले पड़ोसी साहिल पटेल से राधा की बातचीत शुरू हुई। दोनों को कई बार बातचीत करते परिजनों ने भी देखा। जिसके बाद पंचायत हुई और दोनों को समझा-बुझाकर अलग कर दिया गया। इसके बाद से महिला घर से बहुत कम ही बाहर निकलती थी। लेकिन पड़ोसी साहिल नहीं माना और महिला से बातचीत करने और उसके घर जाने के कोशिश करता रहा। महिला की सास ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि शनिवार की सुबह घर में सबकुछ नॉर्मल था। मैं खाना बनाकर काम पर चली गई। घर में बहू अकेली थी। इसी दौरान पड़ोसी साहिल पटेल आया और उसके साथ जबरदस्ती की। जब बहू ने इसका विरोध किया तो उसका गला दबा दिया। इसी दौरान उसने पुलिस को फोन कर हमलोगों का नाम फंसा दिया। अभी खुद ही फरार है।

पटना में गैस किल्लत से गुस्साए लोग सड़क पर उतरे

फुलवारीशरीफ में एम्स मार्ग किया जाम, लोग बोले- 4 दिन से नहीं मिला सिलेंडर

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारीशरीफ में रसोई गैस की किल्लत से परेशान उपभोक्ताओं ने रविवार को सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। बोचाचक के समीप फुलवारीशरीफ-एम्स मुख्य मार्ग पर सैकड़ों लोगों ने यह प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पिछले चार दिनों से एचपी गैस एजेंसी द्वारा सिलेंडर का वितरण नहीं किया जा रहा है।

गैस लेने के लिए बुलाया, फिर खाली हाथ लौटा दिया- स्थानीयः स्थानीय लोगों ने बताया कि एजेंसी द्वारा बार-बार गैस लेने के लिए बुलाया जाता है, लेकिन पहुंचने पर उपभोक्ताओं को खाली हाथ लौटना पड़ता है। इसी से नाराज होकर रविवार सुबह लोगों ने सड़क जाम कर एजेंसी के खिलाफ नारेबाजी की। इस प्रदर्शन के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात बाधित हो गया।

गैस न मिलने के से खाना बनाना मुश्किल- प्रदर्शनकारीः प्रदर्शनकारियों ने बताया कि गैस न मिलने के कारण घरों में खाना बनाना मुश्किल हो गया है। कई परिवारों को खाना बनाने के लिए लकड़ी या अन्य वैकल्पिक साधनों का उपयोग करना पड़ रहा है। लोगों का आरोप है कि एजेंसी की मनमानी लंबे समय से जारी है, और इस बार समस्या लगातार बढ़ रही है।

प्रशासन और पुलिस की समझाइश पर जाम हटायाः सूचना मिलने पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया और आश्वासन दिया कि एजेंसी संचालकों से बात कर जल्द ही गैस वितरण की व्यवस्था ठीक कराई जाएगी। प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद जाम हटाया गया और यातायात सामान्य हो सका। फुलवारीशरीफ थाना प्रभारी गुलाम शाहबाज आलम ने बताया कि, 'गैस एजेंसी के मालिक से बातचीत हुई है। उन्होंने जानकारी दी कि जल्द ही गैस सिलेंडर का ट्रक आने वाला है और पुलिस सुरक्षा में वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। उपभोक्ताओं को शांत रहने का आश्वासन दिया गया है।'

मैथिली ठाकुर की भक्ति गीत में मग्न अनंत-राधिका अंबानी

एजेंसी, पटना

राधिका गोरी से... भजन पर झूमा अंबानी परिवार, बेटे अनंत के जन्मदिन पर आयोजन

बिहार की लोक गायिका और बीजेपी की विधायक मैथिली ठाकुर ने अंबानी परिवार के एक फंक्शन में भक्ति गीत गाए। गुजरात के जामनगर में 10 अप्रैल को आयोजित अनंत अंबानी के 31वें जन्मदिन समारोह में मैथिली की गीत पर पूरा अंबानी परिवार भक्ति में मग्न दिखा। इसका वीडियो सामने आया है जिसमें मुकेश, नीता, उनकी बेटी ईशा, अनंत अंबानी, राधिका मर्चेंट, श्लोका अंबानी के चेहरे पर भक्ति और सादगी साफ झलक रही है।

भजन संध्या सबसे खास आकर्षण रहाः देश के जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी का जन्मदिन इस बार कुछ खास अंदाज में मनाया गया। जामनगर में आयोजित इस भव्य समारोह में फिल्म और उद्योग जगत की कई बड़ी हस्तियों ने शिरकत की। इस पूरे आयोजन का सबसे खास आकर्षण रहा भजन संध्या, जिसमें बिहार की प्रतिभाशाली गायिका और बीजेपी विधायक मैथिली ठाकुर ने अपनी प्रस्तुति दी। मैथिली ठाकुर ने स्टेज पर आते ही "राधिका गोरी से" जैसे प्रसिद्ध भजन गाकर माहौल को पूरी तरह आध्यात्मिक बना दिया। उनकी आवाज ने वहां मौजूद हर शख्स को भक्ति में डुबो दिया। यही वजह रही कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में पूरा अंबानी परिवार भजनों की धुन पर झूमता नजर आ रहा है।

साल 2025 से अलिनगर से विधायक बनी हैं मैथिलीः बिहार से निकलकर देश-विदेश में अपनी पहचान बनाने वाली मैथिली ठाकुर आज सिर्फ एक गायिका ही नहीं, बल्कि एक जनप्रतिनिधि भी हैं। बीजेपी विधायक के रूप में उनकी यह प्रस्तुति बिहार के लिए भी गौरव का विषय मानी जा रही है।

पटना में विशेष अभियान चार अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

बिहटा में देशी कट्टा के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

पटना जिले के पश्चिमी इलाके में बढ़ते अपराध पर लगाम लगाने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में बिहटा थाना पुलिस ने देर रात विशेष कार्रवाई करते हुए चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मूसेपुर गांव निवासी अरुण कुमार को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक देशी कट्टा बरामद किया गया है। जांच में सामने आया है कि वह हथियार को घर में छिपाकर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था।

तीन फरार आरोपी भी गिरफ्तारः इसके अलावा पुलिस ने मारपीट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे तीन अन्य आरोपियों को कटेसर गांव से गिरफ्तार किया है। ये सभी आरोपी कई वर्षों से पुलिस की गिरफ्त से बाहर थे।

विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगाः थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर विशेष अभियान चलाया गया था। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को हथियार के साथ पकड़ा गया है, जबकि अन्य तीन को कोर्ट के आदेश पर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के लिए आगे भी इस तरह के विशेष अभियान जारी रहेंगे।

बीजेपी के सभी कार्यालायों में मनेगी डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

एजेंसी, पटना

लखेंद्र पासवान बोले- कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहेब का अपमान किया, उचित सम्मान नहीं मिला

बीजेपी कार्यालय में मंत्री लखेंद्र पासवान ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को लेकर कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल को बाबा साहेब की जयंती पूरे देश में बड़े स्तर पर मनाई जाएगी और इसे जन-जन तक पहुंचाने की तैयारी की गई है।

बूथ स्तर तक होंगे कार्यक्रम, 20 दिनों तक चलेंगे आयोजनः मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जयंती समारोह को बूथ स्तर तक मनाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि यह आयोजन केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि लगभग 20 दिनों तक देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बीजेपी कार्यालय और बापू सभागार में विशेष आयोजनः उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल को बीजेपी के सभी कार्यालयों में जयंती कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके अलावा अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा पटना के बापू सभागार में भी एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री के शामिल होने की संभावना है।

कांग्रेस पर साधा निशानाः मंत्री पासवान ने कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहेब का अपमान किया और उनके योगदान को नजरअंदाज किया। मंत्री ने कहा कि वर्ष 1954 के चुनाव में कांग्रेस ने बाबा साहेब के खिलाफ उम्मीदवार खड़ा कर उन्हें हराने का काम किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल चुनाव के समय ही संविधान की बात करती है।

भारत रत्न को लेकर भी किया दावाः उन्होंने कहा कि बाबा साहेब को भारत रत्न सम्मान बीजेपी के समर्थन से ही मिला, जबकि कांग्रेस ने उन्हें कभी उचित सम्मान नहीं दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बाबा साहेब के निधन के बाद कांग्रेस और उस समय के वाम दलों ने उन्हें सम्मानजनक तरीके से दफनाने के लिए जमीन तक उपलब्ध नहीं कराई। उन्होंने कहा कि आज बिहार में जो विपक्ष कांग्रेस के साथ खड़ा है, वही दल पहले बाबा साहेब का अपमान कर चुके हैं। बाबा साहेब के विचारों और संविधान के मूल्यों को समझते हुए सही निर्णय लें।

पटना जू में देखने को मिलेंगे 24 नए जानवर, दिल्ली जू से सफेद बाघिन आ रही

एजेंसी, पटना

रोहतक जू से पहुंचेगा ग्रीन इगुआना और सिल्वर फिजेंट

पटना जू में जल्द ही 24 नए जानवर देखने को मिलेंगे। पटना जू में एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत दिल्ली जू और रोहतक जू से नए जानवर आ रहे हैं। दिल्ली जू के साथ हुए समझौते के तहत, पटना जू को 1 सफेद बाघिन मिलने वाली है। वहीं, 6 संघाई हिरण, 4 सफेद ब्लैकबक, 4 गुलाबी पेलिकन, 4 पेंटेड स्टॉर्क और 1 सफेद बगुला शामिल हैं। इसके साथ ही रोहतक जू से 2 ग्रीन इगुआना और 2 सिल्वर फिजेंट मिलेंगे। अप्रैल अंत तक इन जानवरों के पटना जू पहुंचने की उम्मीद है।

दिल्ली जू से आने वाले संघाई हिरण में दो नर और चार मादा, सफेद ब्लैकबक में दो नर और दो मादा होंगे। इसके बदले दिल्ली जू को पटना जू की ओर से एक मेल टाइगर, 4 घड़ियाल, 4 इंडियन मृग, 4 इंडियन वुल्फ, 2 कॉमन रैट स्नेक और 2 बार्न आउल दिए जाएंगे। इसके साथ ही भेड़ियों की एक जोड़ी हरियाणा के रोहतक जू भेजी जाएगी। दोनों जू से एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम को मंजूरी मिल गई है। अब पटना जू की टीम दोनों चिड़ियाघरों का दौरा करेगी और उनकी टीमें भी इस प्रक्रिया को गति देने के लिए यहां आएंगी।

जू प्रशासन के अनुसार सफेद ब्लैकबक और हरे इगुआना विजिटर्स के लिए एक नया आकर्षण होंगे। नए जानवरों के लिए ब्लैकबक के बगल में एक अलग बाड़ा बनाया गया है। इसके अलावा, रेप्टाईल घर में इगुआना के लिए एक कांच का बाड़ा (20x30 फीट) तैयार किया गया है। इगुआना फल, सब्जियां, पत्ते और कीड़े खाते हैं। उन्हें प्राकृतिक वातावरण की आवश्यकता होती है। इसके लिए उनके बाड़े में मजबूत टहनी, एक फाउंटेन और आसपास कुछ पत्थर और पत्ते भी लगाए गए हैं, जो नैचुरल लुक दे। जू प्रशासन के मुताबिक एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों के बीच जेनेटिक डाइवर्सिटी को बनाए रखना और इनब्रीडिंग को रोकना है।

ट्रैक पर फंसी कार, सीमांचल एक्सप्रेस रूकी लोको पायलट की सूझबूझ से टला हादसा

एजेंसी, पटना

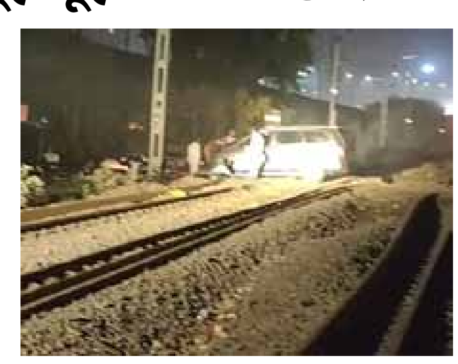

पटना के दानापुर में शनिवार देर रात एक बड़ा रेल हादसा टल गया। रूपसपुर नहर के पास रेलवे ट्रैक पर एक इनोवा कार फंस गया, दानापुर से पाटलिपुत्र जंक्शन जा रही सीमांचल एक्सप्रेस को आधे घंटे तक रोकना पड़ा।

ट्रैक पार करते समय फंसी कार, ट्रेन आती देख भागे सवारः घटना रात करीब 11:45 बजे की बताई जा रही है। रूपसपुर गांव की ओर से आ रही इनोवा कार मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग से नहर पार करने के लिए बनी संकरी पुलिया की ओर जा रही थी। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से कार सीधे रेलवे ट्रैक पर फंस गई। कार में सवार लोगों ने वाहन को ट्रैक से हटाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। तभी उसी ट्रैक पर सीमांचल एक्सप्रेस उसी ट्रैक पर तेजी से आती दिखी। ट्रेन को करीब आता देख कार सवार लोग अपनी जान बचाने के लिए तुरंत गाड़ी छोड़कर सुरक्षित स्थान पर भाग गए।

लोको पायलट की सूझबूझ से टली बड़ी घटनाः ट्रेन चालक ने दूर से ही ट्रैक पर फंसी कार को देख लिया। उसने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाए, जिससे ट्रेन समय रहते रुक गई और एक बड़ा हादसा टल गया। चालक की सतर्कता से जान-माल का बड़ा नुकसान होने से बच गया।

यात्रियों ने हटाई कार, फिर रवाना हुई ट्रेनः घटना के बाद करीब आधे घंटे तक ट्रेन ट्रैक पर खड़ी रही। इस दौरान ट्रेन में सवार कुछ युवकों ने आगे बढ़कर मदद की और काफी मशक्कत के बाद कार को ट्रैक से हटाया गया। इसके बाद ट्रेन को पाटलिपुत्र जंक्शन के लिए रवाना किया गया। रेलवे प्रशासन ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए लोगों से अपील की है कि मानव रहित क्रॉसिंग पार करते समय विशेष सावधानी बरतें, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

पटना के स्टूडेंट ने राजस्थान में किया सुसाइड

एजेंसी, पटना

पटना के एक स्टूडेंट ने राजस्थान के सवाई माधोपुर में सुसाइड कर लिया। छात्र का शव रविवार सुबह घर की तीसरी मंजिल पर सोलर पैनल के एंगल से फंदे पर लटका मिला। छात्रा का नाम राहुल कुमार तिवारी (25) है, जो संस्कृत में शास्त्र की पढ़ाई करने 15 दिन पहले ही बिहार से आया था। वह वहां किराए पर कमरा लेकर रहता था। फिलहाल सुसाइड के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मृतक के परिवार को भी सूचना दे दी गई है। मामला कोतवाली थाना इलाके के पटेल नगर का है। SHO मदन लाल मीणा ने बताया कि राहुल के पास गैस सिलेंडर नहीं था। शनिवार शाम उसने मकान मालिक के किचन में सब्जी, रोटी और दलिया बनाया। उस समय मकान मालिक घर पर नहीं था। इसके बाद उसने अपने लिए थाली में रोटी और सब्जी परोसी। थाली में डेढ़ रोटी और सब्जी वैसे ही पड़ी मिली। आधी रोटी से उसने सिर्फ दो निवाले ही खाए थे। दलिया भी एक बर्तन में थाली के पास रखा हुआ था। रात में वह छत पर गया। पहले तार से फंदा लगाने की कोशिश की, लेकिन बाद में चादर को चाकू से काटकर फंदा बनाया। कोतवाली SHO मदन लाल मीणा ने बताया, "राहुल पटना सिटी के मेहंदीगंज थाना इलाके के दलदलीय गंज का रहने वाला था।

'चाचा झुकना पसंद किए, लालू जी लड़ना पसंद किए'

एजेंसी, पटना

तेजस्वी बोले- हम बोले थे भाजपा नीतीश जी को रहने नहीं देगा, देखिए जा रहे दिल्ली

पटना के बापू सभागार में पान महासम्मेलन आयोजित किया गया है। मुख्य अतिथि के तौर पर बिहार विधानसभा के विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव भी इस सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने तेजस्वी यादव की आरती उतारकर उनका स्वागत किया। उनके साथ मदन मोहन झा, आईपी गुप्ता सहित कई नेता मंच पर मौजूद हैं। मंच पर तेजस्वी यादव, आईपी गुप्ता और झलकारी बाई के वंशज मंगल सिंह को चांदी का मुकुट पहनाया गया। उन्हें चांदी की गदा भी दी गई। मंगल सिंह अपने साथ 1857 की लड़ाई के दौरान वीरांगना झलकारी बाई की तलवार लेकर आए, जिसे आईपी गुप्ता ने लहराकर समर्थकों को दिखाया। इंडियन इंक्लूसिव पार्टी (IIP) के अध्यक्ष और सहरसा के विधायक आईपी गुप्ता ने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भी निमंत्रण दिया था। मदन मोहन झा ने राहुल गांधी के नहीं आने पर माफी मांगी। उन्होंने कहा कि, 'राहुल जी किसी काम की व्यस्तता के कारण नहीं आ पाए।'

अंतिम पायदान पर बैठे लोगों को मुख्य धारा में लाना है- तेजस्वी यादवः नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने महासम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि, 'अंतिम पायदान पर बैठे लोगों को जब तक आरक्षण नहीं मिलेगा, तब तक मुख्य धारा में लाना मुश्किल है।पहले गरीबों को, दलितों को घोड़ी पर नहीं बैठने देते थे। लालू जी ने तावा पर एक साइड जल रहे रोटी को पलट दिया। अब 90 के दशक से पहले वाला बात नहीं है। कोई अगर पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित और महादलित के साथ दिक्कत हो रही तो हम लोग खड़े रहेंगे।' उन्होंने कहा कि, 'चुनाव का जो रिजल्ट था, वो असली रिजल्ट नहीं था। वो मशीन का रिजल्ट था। हम लोग को वोट मिला 1 करोड़ 90 लाख, बैलेट पेपर में हम लोग 145 सीट जीते, लेकिन मशीन में 200 सीट हार गए। ये लोकतंत्र नहीं, मशीन तंत्र और धन तंत्र की जीत है।' तेजस्वी ने आगे कहा, 'ये लोग 10-10 हजार बांट रहे थे, अब काहे नहीं 2 लाख दे रहे हैं। बिजली फ्री देने का वादा किए, अब रेट ही बढ़ा दिए।

तेजस्वी यादव ने आगे कहा, 'भाजपा आरक्षण विरोधी पार्टी है। ये भाजपा वाले पिछड़ों का पार्टी नहीं देखना चाहते हैं। हम लोग सरकार मे थे तो 5 लाख से ज्यादा नौकरी दिए थे। अब ये लोग युवाओं का भविष्य खराब कर रहे हैं। बिहार मे प्राथमिक और माध्यमिक 76 हजार विद्यालय है, लेकिन एक भी संगीत टीचर नहीं है। फिर भी लगभग 160 करोड़ का ढोलक तबला सरकार खरीद लिया है।'

संक्षिप्त समाचार

कुंडवाचैनपुर में बाइक चोरी कर भाग रहा युवक धराया

बीएनएम @ मोतिहारी। कुंडवाचैनपुर थाना क्षेत्र में बाइक चोरी कर भाग रहे एक युवक को पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की सतर्कता और गश्ती दल की त्वरित कार्रवाई से धर दबोचा। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अमावा चौक स्थित प्रेम क्लिनिक के पास से एक बाइक चोरी कर भाग रहे अमरेश कुमार (पिता- मनोज राम), निवासी गोरीय हराज, थाना शिकारगंज, जिला पूर्वी चंपारण को ग्रामीणों ने घेर लिया। सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस गश्ती दल ने लोगों की मदद से उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्त से गहन पूछताछ कर रही है। पूछताछ के आधार पर उसके आपराधिक नेटवर्क के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक खंगाले जा रहे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह किसी बड़े बाइक चोरी गिरोह से जुड़ा है या नहीं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही चोरी की अन्य घटनाओं में भी उसकी संलिप्तता की जांच शुरू कर दी गई है।

नकरदेई पुलिस-एसएसबी की संयुक्त कार्रवाई में चार नशा कारोबारी गिरफ्तार

20.16 ग्राम स्मैकनुमा पदार्थ व नेपाली करेंसी बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले में सूखा नशा के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नकरदेई थाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने सीमावर्ती क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए चार नशा कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान 20.16 ग्राम स्मैकनुमा मादक पदार्थ, 55,250 नेपाली रुपये नकद और दो मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं। पुलिस के अनुसार, ग्राम खुदिया टोला में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। मौके से गिरफ्तार आरोपियों में राजेश कुमार, राजेश राउत, जमीर खान — तीनों निवासी बीरगंज, परसा (नेपाल) तथा दीपक कुमार, निवासी रक्सौल शामिल हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि बरामद मादक पदार्थ और नेपाली करेंसी से सीमापार नशा तस्करी नेटवर्क की आशंका मजबूत हुई है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर नेटवर्क के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक खंगाले जा रहे हैं, ताकि इस धंधे से जुड़े अन्य तस्करों तक पहुंचा जा सके। सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस और एसएसबी की इस संयुक्त कार्रवाई से बॉर्डर इलाके में नशा कारोबारियों में दहशत का माहौल है।

हत्या के प्रयास कांड में नामजद आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। बंजरिया थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के मामले में पुलिस ने तेज कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त राहुल कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद इलाके में अपराधियों के बीच हड़कंप मच गया है। पुलिस के अनुसार, बंजरिया थाना कांड संख्या-212/26 में दर्ज हत्या के प्रयास मामले के प्राथमिकी अभियुक्त राहुल कुमार (पिता- कृष्णा चौधरी), निवासी बंजरिया साहु टोला, थाना बंजरिया, जिला पूर्वी चंपारण को छापेमारी कर दबोच लिया गया। थाना पुलिस ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उससे गहन पूछताछ की जा रही है। साथ ही घटना से जुड़े अन्य पहलुओं और संभावित सहयोगियों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामलों में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

अभिभावक गोष्ठी में बच्चों के संस्कार और शिक्षा पर जोर, अभिभावकों ने दिए बहुमूल्य सुझाव

बीएनएम @मोतिहारी/हरसिद्धि। स्थानीय विद्यालय महावीर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में शनिवार को अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आगत अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। गोष्ठी में बच्चों के शैक्षणिक, नैतिक और चारित्रिक विकास में अभिभावकों व शिक्षकों की संयुक्त भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि सरस्वती विद्या मंदिर, अरेराज की प्रधानाचार्या सह संकुल प्रमुख श्रीमती प्रियंका प्रीति ने कहा कि परिवार बच्चों की प्रथम पाठशाला है और मां उनकी पहली शिक्षिका होती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर संस्कार और अनुशासित आचरण देना अभिभावकों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर विद्यालय के सचिव उत्तम अग्रवाल तथा समिति सदस्य ललन प्रसाद गुप्ता ने भी अपने विचार रखे। विद्यालय विकास और शैक्षणिक उन्नयन को लेकर अभिभावकों ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कुछ बिंदुओं पर अभिभावकों ने शिकायतें भी दर्ज कराईं, जिन पर प्रधानाचार्य ने स्थिति स्पष्ट करते हुए जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम का संचालन आचार्य सत्येन्द्र कुमार ने किया। अंत में शांति मंत्र के साथ गोष्ठी का समापन हुआ। मौके पर राजकुमार गुप्ता, नगीना यादव, समीर कुमार वर्मा, सरयुग प्रसाद, जयप्रकाश प्रसाद, विश्वंभर पांडेय, जन्मेजय चौबे, सुनील कुमार, अनुपम अग्रवाल समेत सैकड़ों अभिभावक और विद्यालय के सभी आचार्य मौजूद रहे।

संविधान संशोधन से जनजागरूकता अभियान तक, सिटीजन फोरम ऑफ की बैठक में कई बड़े फैसले

नल-जल, मोबाइल दुरुपयोग और संगठन विस्तार पर बनी समितियां; साल में दो आम सभा कराने पर सहमति

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के मेन रोड स्थित आर्य विद्यापीठ के नव-प्रतिष्ठान "ब्लॉसम आर्य विद्यापीठ" में शनिवार शाम आयोजित सिटीजन फोरम ऑफ मोतिहारी की चतुर्थ कार्यकारिणी की नौवीं बैठक में संगठनात्मक मजबूती, संविधान संशोधन और जनहित के मुद्दों पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक की अध्यक्षता फोरम अध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने की, जबकि आतिथ्य रंजीत कुमार आर्य ने किया। बैठक की शुरुआत सचिव धर्मवर्धन प्रसाद द्वारा पिछली बैठक की कार्यवाही के वाचन से हुई, जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। इस दौरान फोरम के संविधान के विस्तार, संशोधन और पंजीकरण प्रक्रिया पर गंभीर चर्चा हुई। इसके लिए पांच सदस्यीय समिति गठित की गई, जिसमें अध्यक्ष, सचिव, वरिष्ठ अधिवक्ता व संरक्षक नरेंद्र देव, ममता रानी वर्मा और वीरेंद्र जालान को शामिल किया गया। हाल ही में आयोजित आम सभा की सफलता की समीक्षा करते हुए सदस्यों ने कई सुझाव दिए। अंगद सिंह ने बैठक की उत्कृष्ट व्यवस्था की सराहना की, जबकि निशा गुप्ता ने अपेक्षित उपस्थिति नहीं होने पर चिंता जताई। इंजीनियर अजय आजाद और वीरेंद्र जालान ने आयोजन को सफल बताते हुए कोष व्यवस्था में चंदू मिश्रा के योगदान की प्रशंसा की। बैठक में नए और सक्रिय सदस्यों को जोड़ने पर विशेष बल दिया गया। संरक्षक प्रकाश चौधरी के सुझाव पर वर्ष में कम से कम दो बार आम सभा आयोजित करने पर सर्वसम्मति बनी। सामाजिक सरोकार के तहत मोबाइल के दुरुपयोग पर हुई परिचर्चा के निष्कर्षों को आमजन तक पहुंचाने के लिए स्लोगन और पोस्टर के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए नगर निगम से अनुमति लेने हेतु पत्र भी तैयार किया गया है। वहीं नल-जल योजना की समस्याओं के समाधान के लिए नगर निगम और बुडको को पुनः पत्र भेजने हेतु तीन सदस्यीय समिति बनाई गई, जिसमें अरुण कुमार श्रीवास्तव, वीरेंद्र जालान और अंगद सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में यह भी तय हुआ कि फोरम का बैंक खाता संविधान के पंजीकरण के बाद ही खोला जाएगा। कोषाध्यक्ष की लगातार अनुपस्थिति पर चिंता जताते हुए उनसे शीघ्र संपर्क कर स्थिति स्पष्ट करने का निर्णय लिया गया। मौके पर प्रो. संध्या सिन्हा, सुधीर गुप्ता, अमित कुशवाहा, निशा गुप्ता, इंजीनियर अजय आजाद समेत कई सदस्य मौजूद रहे। अंत में अजय आजाद ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और राष्ट्रगान के साथ बैठक का समापन हुआ।

बिजधरी पुलिस ने शव जलाने के आरोपी ससुर को किया गिरफ्तार

बीएनएम @ केसरिया

केसरिया। पुत्रवधू मंजू देवी की हत्या कर शव जलाने के सनसनीखेज मामले में बिजधरी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अप्राथमिकी आरोपी दूधराज राय को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से अन्य नामजद आरोपियों में भी हड़कंप मच गया है। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने कहा, "मंजू देवी हत्याकांड में किसी भी दोषी को राहत नहीं मिलेगी। गुप्त सूचना के आधार पर दूधराज राय को गिरफ्तार किया गया है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है।" पुलिस के अनुसार, ढेकहां निवासी मालती देवी ने पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि उनकी पुत्री मंजू देवी की हत्या कर शव को जला दिया गया, ताकि साक्ष्य पूरी तरह मिटाए जा सकें। गुप्त सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोच लिया। पूछताछ और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस अब इस हत्याकांड के हर पहलू, साक्ष्य और अन्य आरोपियों की भूमिका की बारीकी से जांच कर रही है। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि मामला बेहद गंभीर है, वैज्ञानिक एवं साक्ष्य आधारित जांच के जरिए सभी दोषियों को कानून के कठघरे तक पहुंचाया जाएगा। पुलिस का दावा है कि जल्द ही अन्य नामजद आरोपियों पर भी बड़ी कार्रवाई हो सकती है।

नामांकन बढ़ाने को श्री रामेश्वर मध्य विद्यालय की जागरूकता रैली, घर-घर जाकर अभिभावकों को किया प्रेरित

बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि

मोतिहारी/हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र के सोनबरसा पंचायत अंतर्गत मचवा चौक स्थित श्री रामेश्वर राजकीय मध्य विद्यालय, सोनबरसा द्वारा 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के शत-प्रतिशत नामांकन को लेकर शनिवार को व्यापक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार महतो ने किया, जिसमें विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय प्रांगण से शुरू हुई रैली पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद कुशवाहा के आवास होते हुए चूड़ीहारी टोला तक पहुंची। इस दौरान बच्चे और शिक्षक हाथों में शिक्षा जागरूकता से जुड़े नारे लिखी तख्तियां लिए चल रहे थे। ढोल-मंजीरे की थाप पर पूरे गांव में घर-घर पहुंचकर अभिभावकों से संपर्क किया गया और अपने बच्चों का नामांकन विद्यालय में कराने तथा नियमित रूप से स्कूल भेजने की अपील की गई। प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार महतो ने कहा कि अभियान का उद्देश्य क्षेत्र के एक भी बच्चे को शिक्षा से वंचित नहीं रहने देना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है और सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब बच्चे नियमित रूप से विद्यालय आएंगे। इस अवसर पर शिक्षक बैजनाथ पासवान, गया शंकर राम, मुकेश कुमार, मनोज कुमार, अमित कुमार तिवारी, अभिषेक कुमार, शारदा कुमारी एवं कुमारी अनुराधा कुशवाहा ने सक्रिय भूमिका निभाई। सभी शिक्षकों ने विद्यालय से बाहर रह रहे बच्चों को चिन्हित कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का संकल्प लिया। रैली को लेकर ग्रामीणों में सकारात्मक माहौल देखा गया। कई अभिभावकों ने अपने बच्चों का नामांकन कराने का भरोसा भी दिया, जिससे विद्यालय परिवार उत्साहित नजर आया।

व्यवस्था परिवर्तन के लिए संघर्ष में उतरें स्वतंत्रता सेनानी परिवारः रत्नेश्वरी शर्मा

» मासिक राष्ट्रीय कार्यक्रम में सेनानी रामकृपाल यादव को श्रद्धांजलि, चम्पारण सत्याग्रह की विरासत को याद किया गया

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति की ओर से प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को आयोजित "10 बजे, 10 मिनट शहीदों को याद करो" राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत रविवार को महान स्वतंत्रता सेनानी रामकृपाल प्रसाद यादव को समर्पित श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। शहर के चांदमारी मोहल्ला में हुए इस कार्यक्रम में सेनानी परिवारों ने उनके त्याग, बलिदान और संघर्ष को याद करते हुए मूल्य आधारित समाज निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. खुशनंदन सिंह ने की, जबकि संचालन अशोक वर्मा ने किया। शुरुआत शशिकला कुमारी द्वारा राष्ट्रध्वज फहराने से हुई। इसके बाद सामूहिक राष्ट्रगान हुआ और उपस्थित लोगों ने झंडे के नीचे समाज व राष्ट्र निर्माण का संकल्प दोहराया। सभी ने सेनानियों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। स्काउट-गाइड के प्रदेश अधिकारी एवं सेनानी उत्तराधिकारी रत्नेश्वरी शर्मा ने कहा, "स्वतंत्रता सेनानी परिवारों को अब व्यवस्था परिवर्तन के लिए संघर्ष में उतरना चाहिए। देश और समाज को सही दिशा देने में उनकी भूमिका अहम हो सकती है।" अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. खुशनंदन सिंह ने कहा कि अप्रैल 1917 में हुए चम्पारण सत्याग्रह ने राष्ट्रीय आंदोलन को नई शक्ति दी थी, और आज उसी विरासत को आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे संगठन मजबूत होगा, कार्यक्रमों का दायरा भी बढ़ता जाएगा। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक वर्मा ने कहा कि यह मासिक कार्यक्रम अब देशभर में उत्सव का रूप लेता जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम सेनानियों के ऋण से मुक्त तो नहीं हो सकते, लेकिन उनके सपनों का राष्ट्र निर्माण कर उनके प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा सकते हैं। कार्यक्रम में रामकृपाल यादव की पुत्री चंद्रमा यादव ने अपने पिता के त्याग, बलिदान और संघर्ष की गाथा को विस्तार से साझा किया, जिसे सुनकर उपस्थित लोग भावुक हो उठे। इस मौके पर रविंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, संजीव साह, डॉ. चंदन, चंचल कुमार, वीरेंद्र कुमार समेत बड़ी संख्या में सेनानी परिवारों के सदस्य उपस्थित रहे।

बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाशः दस गिरफ्तार

8 चोरी की बाइक और 9 मोबाइल बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले में लगातार हो रही बाइक चोरी की घटनाओं पर पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए एक संगठित मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान गिरोह के 10 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 8 चोरी की मोटरसाइकिल और 9 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, सुगौली थाना कांड संख्या-205/26 में 10 अप्रैल 2026 को हुई हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी की जांच के दौरान गुप्त सूचना मिली थी कि चोरी की बाइक शिव कुमार बनर्जी उर्फ गोधो के पास है। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि यह एक संगठित बाइक चोरी गिरोह है, जो मोटरसाइकिल चोरी कर उन्हें कम कीमत पर बेचने या पार्ट्स अलग-अलग कर बाजार में खपाने का काम करता है। आरोपी की निशानदेही पर अलग-अलग स्थानों से कुल 8 मोटरसाइकिल बरामद की गईं। पुलिस जांच में गिरोह का मास्टरमाइंड रामा मांझी सामने आया है, जो अपने सहयोगियों के साथ जिले के विभिन्न इलाकों से बाइक चोरी कर इस अवैध कारोबार को संचालित करता था। गिरफ्तार आरोपियों में रामा मांझी, पिंटू कुमार, शिव कुमार बनर्जी उर्फ गोधो, रूपचन्द्र कुमार, भागीरथ कुमार, अरुण कुमार, राजेश कुमार, काशीनाथ दास, टुनु कुमार और रामविनय पंडित शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार सभी अभियुक्तों का पूर्व आपराधिक इतिहास भी रहा है और जिले के कई थानों में इनके खिलाफ मामले दर्ज हैं। इस पूरी कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में पिपराकोठी थाना टीम ने अहम भूमिका निभाई। फिलहाल पुलिस गिरोह के अन्य संभावित सदस्यों की तलाश में जुटी है और मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली-गाजियाबाद से जुड़ी मोतिहारी शराब कांड की सप्लाई चेन, एसएस केमिकल मालिक गिरफ्त में

» एसपी स्वर्ण प्रभात की एसआईटी ने खोली 10 मौतों वाले जहरीले स्प्रिट सिंडिकेट की परतें

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जहरीली स्प्रिट से 10 लोगों की मौत वाले चर्चित मोतिहारी शराब कांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एसपी स्वर्ण प्रभात के नेतृत्व में काम कर रही एसआईटी ने गाजियाबाद से एसएस केमिकल कंपनी के मालिक सतीश चंद्र चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। इस गिरफ्तारी के बाद कांड की दिल्ली-गाजियाबाद से जुड़ी सप्लाई चेन का बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया है कि इसी कंपनी से जहरीली स्प्रिट की खेप बिहार भेजी गई थी, जिसे मुख्य शराब कारोबारी लवकुश यादव तक पहुंचाया गया। लवकुश की गिरफ्तारी के बाद हुई पूछताछ में ही गाजियाबाद स्थित फैक्ट्री और सप्लाई रूट का खुलासा हुआ था। अब सतीश चंद्र चौधरी के पकड़े जाने से पूरे नेटवर्क की कड़ियां तेजी से जुड़ती नजर आ रही हैं। सूत्रों के अनुसार, सतीश चंद्र चौधरी ने जहरीली स्प्रिट की सप्लाई कर पूरे सिंडिकेट को सक्रिय रखा। इसी स्प्रिट से तैयार शराब रघुनाथपुर और तुरकौलिया इलाके में बेची गई, जिसके सेवन से 10 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। अब एसआईटी कंपनी के बिल, ट्रांसपोर्ट रूट, भुगतान नेटवर्क और फर्जी दस्तावेजों की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस को आशंका है कि यह नेटवर्क बिहार, यूपी और हरियाणा तक फैला हो सकता है। जांच एजेंसियों का मानना है कि सतीश चंद्र चौधरी की गिरफ्तारी के बाद सप्लायर, ट्रांसपोर्टर और स्थानीय शराब कारोबारियों के कई बड़े नाम सामने आ सकते हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह गिरफ्तारी पूरे कांड का सबसे अहम टर्निंग पॉइंट साबित हो सकती है, क्योंकि अब फैक्ट्री से गांवों तक जहरीली स्प्रिट पहुंचाने की पूरी चेन पुलिस के हाथ लगती दिख रही है।

एक्शन मोड में हरसिद्धि पुलिसः शराब माफियाओं पर ताबड़तोड़ वार, 1000 लीटर पास नष्ट; दो धंधेबाज गिरफ्तार

» दस लीटर शराब जप्त

बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि

मोतिहारी/हरसिद्धि। नए थानाध्यक्ष सुनील कुमार की पदस्थापना के बाद हरसिद्धि पुलिस लगातार एक्शन मोड में नजर आ रही है। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे सघन अभियान में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीब 1000 लीटर पास (अर्धनिर्मित शराब) को मौके पर ही नष्ट कर दिया, जबकि 10 लीटर तैयार देसी शराब बरामद की गई। इस कार्रवाई में दो धंधेबाजों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रमेश कुमार, निवासी मठ लोहियार, और अखिलेश सिंह, निवासी धनखरैया के रूप में हुई है। दोनों पर लंबे समय से अवैध शराब के कारोबार से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद इलाके में शराब माफियाओं के बीच हड़कंप मच गया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में पास बरामद हुआ, जिसे सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। साथ ही तैयार देसी शराब को जब्त कर लिया गया। उन्होंने कहा कि थाना संभालने के बाद से अवैध शराब के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है, और आगे भी यह कार्रवाई और तेज होगी। "किसी भी हाल में अवैध धंधा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, दोषियों को हर हाल में सलाखों के पीछे भेजा जाएगा," थानाध्यक्ष ने दो टूक कहा। अभियान में एसआई शशि भूषण कुमार, एसआई प्रीतम कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। लगातार हो रही इस कार्रवाई से साफ संकेत मिल रहा है कि हरसिद्धि में नए थानाध्यक्ष के नेतृत्व में शराब माफियाओं की अब खैर नहीं।

संक्षिप्त समाचार

समस्याओं के अंबार से जूझ रही आंगनबाड़ी सेविकाएं

बीएनएम @ बेतिया। लौरिया प्रखंड मुख्यालय स्थित शिव मंदिर परिसर में बिहार राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी यूनियन की एक महत्वपूर्ण बैठक कुमारी सुधा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु आंगनबाड़ी केंद्रों पर व्याप्त बुनियादी समस्याओं और प्रशासनिक उदासीनता रहा। सेविकाओं ने विशेष रूप से एलपीजी गैस आपूर्ति की बदहाल स्थिति पर गहरा रोष व्यक्त किया।बैठक में यह तथ्य सामने आया कि सरकार द्वारा चूल्हा और सिलेंडर उपलब्ध कराने के बावजूद, केवल 10 प्रतिशत कर्मियों को ही गैस पासबुक दी गई है। इस लापरवाही के कारण केंद्रों पर गैस रिफिल कराना असंभव हो गया है, जिससे नौनिहालों के गर्म भोजन और पोषण अधिकारों पर सीधा प्रहार हो रहा है। इसके अतिरिक्त, पूर्व-प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे बच्चों के पोशाक वितरण में अनियमितता और कई केंद्रों पर बिजली की अनुपलब्धता जैसे गंभीर मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया गया।इन समस्याओं के निराकरण हेतु लौरिया बाल विकास परियोजना के मुख्य संरक्षक सुनील कुमार श्रीवास्तव उर्फ राजा ने आगामी 23 अप्रैल को प्रातः 11:30 बजे जिला मुख्यालय के समक्ष व्यापक धरना-प्रदर्शन की घोषणा की है। बैठक को पैक्स अध्यक्ष राजकुमार ठाकुर ने भी संबोधित कर अपना समर्थन दिया। इस दौरान इंदिरा देवी, समीऊन नेशा और मीरा देवी सहित दर्जनों सेविकाओं ने एकजुट होकर आंदोलन को सफल बनाने और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया।

हिंदी स्कूलों में उर्दू और उर्दू स्कूलों में पहुंचीं हिंदी की किताबें

बीएनएम @ गयाजी। गया जिले के शेरघाटी प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों शिक्षा विभाग की एक अजीबोगरीब लापरवाही के कारण अफरा-तफरी का माहौल है। प्रशासनिक चूक के चलते यहाँ भाषा के आधार पर किताबों का गलत वितरण कर दिया गया है। मध्य विद्यालय कमात और मध्य विद्यालय जोगापुर जैसे हिंदी माध्यम के स्कूलों में उर्दू की किताबें भेज दी गई हैं, जबकि इसके उलट खंडेल उर्दू मध्य विद्यालय में हिंदी की किताबें पहुंचा दी गई हैं।इस भारी गड़बड़ी का सबसे अधिक खामियाजा कक्षा 6 और 7 के छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। अपनी भाषा की पुस्तकें उपलब्ध न होने के कारण छात्र पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों का स्पष्ट कहना है कि यह प्रखंड संसाधन केंद्र (BRC) की घोर लापरवाही का परिणाम है। वितरण से पूर्व डेटा और मांग का सही मिलान नहीं किया गया, जिससे यह स्थिति उत्पन्न हुई।शिक्षकों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि इस त्रुटि से शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में ही पढ़ाई बाधित हो रही है। यदि समय रहते किताबों की अदला-बदली कर सही पुस्तकें उपलब्ध नहीं कराई गईं, तो बच्चों के भविष्य पर इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। फिलहाल, अभिभावक और शिक्षक इस मामले में जिला शिक्षा प्रशासन की ओर से त्वरित सुधार और दोषियों पर कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

210 लीटर अवैध शराब जब्त, तीन तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ बगहाः बगहा पुलिस ने जिले में अवैध शराब के खिलाफ चल रहे विशेष निरोधी अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। प्रभारी एसपी निर्मला कुमारी के निर्देश पर एएलएफटी टीम ने भैरोगंज, चौतरवा और रामनगर थाना क्षेत्रों में सघन छापेमारी कर कुल 210 लीटर शराब बरामद की। जब्त खेप में 141 लीटर देशी चुलाई और 69 लीटर विदेशी शराब शामिल है।कार्यवाही के दौरान पुलिस ने तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। एसपी ने बताया कि पकड़े गए अभियुक्तों से पूछताछ कर उनके पूरे नेटवर्क और अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाया जा रहा है। संबंधित थाना प्रभारियों को प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस प्रशासन का कहना है कि जिले में शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर पूर्णतः अंकुश लगाने के लिए इस तरह के विशेष अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।

अवैध क्रॉसिंग पर ट्रेन से टकराई पार्सल वैन, बड़ा हादसा टला

बीएनएम @ फतुहा। शनिवार शाम इस्लामपुर से हटिया जा रही ट्रेन संख्या 18623 फतुहा स्टेशन के पास एक अवैध रेलवे क्रॉसिंग पर पार्सल वैन से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए और वह इंजन के पास वाली बोगी में फंस गई। इस दौरान ट्रैक किनारे लगा एक इलेक्ट्रिक पोल भी क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे रेलवे महकमे में हड़कंप मच गया।हादसा फतुहा और दनियावां स्टेशन के बीच नियाजीपुर गांव के पास हुआ। सूचना मिलते ही रेल पुलिस और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, जबकि वैन चालक मौके से फरार हो गया। क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त मलबे को हटाने के बाद रात 10:16 बजे ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया गया।स्थानीय सूत्रों के अनुसार, ग्रामीण शॉर्टकट के चक्कर में रेलवे द्वारा बंद किए गए अवैध रास्तों को बार-बार खोल देते हैं, जो ऐसी दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बन रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और ट्रैक पर परिचालन सामान्य कर दिया गया है।

गयाजी जंक्शनः फर्जी आईबी अधिकारी गिरफ्तार, आरपीएफ और जीआरपी की बड़ी कार्रवाई

आईबी अधिकारी बनकर गया स्टेशन पर झाड़ रहा था रौब, पूछताछ जारी

बीएनएम @ गया जी

» प्लेटफार्म संख्या 6 से दबोचा गया, फर्जी पहचान पत्र और टैबलेट बरामद
» फर्जी आईबी अधिकारी पर बीएनएस की धारा 171 के तहत मामला दर्ज

गया जी : गया रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस ने एक संयुक्त अभियान के दौरान प्लेटफार्म संख्या 6 से एक फर्जी आईबी (इंटेलिजेंस ब्यूरो) अधिकारी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी खुद को आईबी का 'जूनियर इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर' बताकर स्टेशन परिसर में अनधिकृत रूप से घूम रहा था और आम लोगों को भ्रमित कर रहा था।

संदेह के आधार पर हिरासत- निरीक्षक प्रभारी बनारसी यादव (आरपीएफ) और थानाध्यक्ष शिवकुमार (जीआरपी) के नेतृत्व में स्टेशन पर सघन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान प्लेटफार्म संख्या 6 पर एक व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधियों ने पुलिस टीम का ध्यान खींचा। हिरासत में लिए जाने पर आरोपी ने रौब झाड़ते हुए खुद को इंटेलिजेंस ब्यूरो का अधिकारी बताया और पहचान के तौर पर एक आई कार्ड भी पेश किया।पुलिस को आरोपी के व्यवहार पर संदेह हुआ, जिसके बाद बरामद पहचान पत्र (SIB/JIO/IB/056) का स्थानीय आईबी कार्यालय से भौतिक सत्यापन कराया गया। जांच में उक्त कार्ड पूरी तरह फर्जी पाया गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया।

कानूनी कार्यवाही और बरामदगी - जीआरपी थाना गया में आरोपी के खिलाफ कांड संख्या 102/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 171 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी के पास से फर्जी पहचान पत्र के साथ एक टैबलेट भी बरामद किया है।फिलहाल पुलिस टैबलेट के डेटा को खंगाल रही है और आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वह कब से इस फर्जी पहचान का उपयोग कर रहा था और क्या वह किसी बड़े गिरोह का हिस्सा है जो ठगी या अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त है। इस कार्रवाई से स्टेशन परिसर में हड़कंप मच गया है।

शराब ला रहे तस्कर को पुलिस ने दबोचा

27 लीटर शराब बरामद

बीएनएम @ बगहा

बगहाः बगहा पुलिस जिला के धनहा थाने की पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए गौतम बुद्ध सेतु चेक पोस्ट से 27 लीटर देशी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान धनहा थाना क्षेत्र के बगहवा गांव निवासी पट्टू यादव के रूप में हुई है।थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम चेक पोस्ट पर सघन वाहन जांच कर रही थी। इसी दौरान उत्तर प्रदेश की ओर से आ रहे एक बाइक सवार को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस को देख तस्कर ने भागने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद जवानों ने उसे खदेड़कर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान बाइक से 27 लीटर देशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने बाइक को जब्त कर लिया है और उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

बिजई में मेधावियों का सम्मान, 20 छात्रों को साइकिल और गांव के दारोगा बेटे का हुआ अभिनंदन

बीएनएम @ घोड़ासहन

घोड़ासहन। शिक्षा को प्रोत्साहन देने और ग्रामीण प्रतिभाओं को नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से बिजई पंचायत के ऐतिहासिक छठ घाट प्रांगण में रविवार को भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। पूर्व मुखिया मनीष कुमार के सौजन्य से हुए इस कार्यक्रम में 20 मेधावी छात्र-छात्राओं को साइकिल और बैग देकर सम्मानित किया गया, वहीं बिहार पुलिस में दारोगा पद पर चयनित गांव के लाल उमेश कुमार का भी नागरिक अभिनंदन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं के राष्ट्रगान और स्वागत गान से हुई, जिसने माहौल को उत्साह और देशभक्ति से भर दिया। समारोह का मुख्य आकर्षण मैट्रिक और इंटर परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं का सम्मान रहा। साइकिल पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे, जबकि अभिभावकों ने इसे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में सराहनीय पहल बताया। गांव के गौरव उमेश कुमार के बिहार पुलिस में दारोगा पद पर चयन को पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताया गया। उन्हें मंच पर अंगवस्त्र, मोमेंटो, डायरी और कलम भेंट कर भव्य सम्मान दिया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने जोरदार तालियों से उनका अभिनंदन किया। शिक्षा की अलख जगाने वाले विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों को भी माला और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में पूर्व मुखिया मनीष कुमार ने कहा, "आज के छात्र ही कल के राष्ट्र निर्माता हैं। मेहनत, अनुशासन और लगन से हर बड़ा लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। यह सम्मान इन बच्चों की प्रतिभा पर हमारे विश्वास का प्रतीक है।" कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक, छात्र-छात्राएं, शिक्षक, प्रबुद्ध नागरिक और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री और हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा समाज

बीएनएम @बेतिया

जाति नाम सुधार के लिए लौरिया में जुटे सैकड़ों लोहार

बेतिया। पश्चिमी चंपारण के लौरिया नगर पंचायत स्थित अशोक स्तंभ परिसर में रविवार को लोहार समाज का एक विशाल महाजुटान आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष रामनाथ शर्मा ने की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जनजाति (एसटी) सूची में जाति के नाम में सुधार और 'लोहार-लोहरा' शब्द से उपजे विवाद का समाधान ढूंढना था। सभा में बेतिया, मोतिहारी, आरा और हाजीपुर सहित विभिन्न जिलों के प्रतिनिधि और समाज के दिग्गज नेता शामिल हुए।वक्ताओं ने तकनीकी विसंगतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अंग्रेजी शब्द "Lohara" के कारण प्रशासनिक स्तर पर 'लोहार' और 'लोहरा' को अलग-अलग मान लिया गया, जिससे समाज को मिलने वाले आरक्षण और सरकारी लाभों पर प्रतिकूल असर पड़ा। हालांकि एक्ट 23/2016 के माध्यम से इस त्रुटि में सुधार की प्रक्रिया शुरू हुई थी, परंतु अभी तक आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना (गजट) जारी न होने से समस्या जस की तस बनी हुई है।जनतंत्र आवाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज किशोर शर्मा ने राजनीतिक मजबूती पर जोर देते हुए चेतावनी दी कि यदि सरकार जल्द ही इस भाषाई विसंगति को दूर नहीं करती, तो समाज एक व्यापक आंदोलन के लिए मजबूर होगा। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस मुद्दे को उच्च न्यायालय में मजबूती से उठाया जाएगा और प्रधानमंत्री को भी प्रार्थना पत्र भेजा जाएगा। साथ ही, संगठन को पंचायत से प्रखंड स्तर तक सशक्त बनाने और समाज की एकजुटता बनाए रखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने अपनी आवाज बुलंद की।

नीतीश के राज्यसभा जाने के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म

बीएनएम @पटना

» अब बेटे निशांत के नाम पर जुटी भीड़

पटना। बिहार की राजनीति में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद अब 'पोस्टर वॉर' ने सियासी पारा गरमा दिया है। राजधानी पटना की सड़कों पर जदयू कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए गए बैनरों में नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार को अगला मुख्यमंत्री बनाने की पुरजोर मांग की गई है। इन पोस्टरों पर 'नीतीश सेवक मांगे निशांत' और 'बिहार का अगला मुख्यमंत्री... निशांत कुमार' जैसे नारों के साथ नीतीश कुमार, निशांत कुमार और प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा की तस्वीरें चस्पा की गई हैं।इन पोस्टरों के जरिए एक बड़ा राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की गई है, जिसमें 'न बुलडोजर बवाल चाहिए और न ही दंगा-फसाद' जैसे स्लोगन लिखकर खास विचारधारा से दूरी बनाने का संकेत दिया गया है। समर्थकों का मानना है कि नीतीश कुमार के अधूरे मिशन को अब निशांत कुमार ही आगे बढ़ाएंगे। वर्तमान में एनडीए के भीतर मुख्यमंत्री पद को लेकर कयासों का दौर जारी है। जहाँ भाजपा के पाले में यह पद जाने की चर्चाएं तेज हैं, वहीं जदयू का एक धड़ा सत्ता की कमान पार्टी के पास ही सुरक्षित रखना चाहता है। नवंबर 2005 से बिहार की सत्ता के केंद्र रहे नीतीश कुमार के विधान परिषद से इस्तीफे और राज्यसभा निर्वाचन के बाद राज्य की राजनीति अब पूरी तरह से नए समीकरणों और उत्तराधिकार की जंग की ओर बढ़ती दिख रही है।

जमीनी सच्चाई जानने खुद स्कूलों में उतरेंगे अधिकारी

» शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने को नई व्यवस्था लागू

बीएनएम @ पटना

पटना। सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए प्रशासन ने अब निरीक्षण नियमों को कड़ा करते हुए बेहद सख्त रुख अपनाया है। नई व्यवस्था के तहत, प्रत्येक निरीक्षण अधिकारी के लिए हर कार्यदिवस में कम से कम तीन सरकारी स्कूलों का भौतिक दौरा करना अनिवार्य कर दिया गया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य केवल कागजी खानापूर्ति को समाप्त कर जमीनी स्तर पर वास्तविक बदलाव लाना है।पूर्व में निरीक्षण प्रक्रिया अक्सर एक औपचारिकता मात्र बनकर रह जाती थी, जिससे स्कूलों की वास्तविक समस्याओं की पहचान नहीं हो पाती थी। अब नए निर्देशों के अनुसार, अधिकारियों को स्कूलों में पर्याप्त समय बिताना होगा, कक्षाओं का सूक्ष्म निरीक्षण करना होगा और शिक्षकों व छात्रों से सीधा संवाद कर शैक्षणिक स्थिति का आकलन करना होगा। प्रशासन का मानना है कि इस सक्रिय निगरानी से बच्चों की उपस्थिति में सुधार, पठन-पाठन की गुणवत्ता में वृद्धि और संसाधनों की कमी को दूर करने में मदद मिलेगी। अधिकारियों का खुद मैदान में उतरना शिक्षा व्यवस्था के कायाकल्प की दिशा में एक निर्णायक और प्रभावी कदम माना जा रहा है।

युवाओं को नशे से बचाने के लिए जागरूक करेगा संगठन

बीएनएम @ दरभंगाः दरभंगा के एकमी घाट स्थित राज रिसॉर्ट में भारतीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन की अहम बैठक प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु बिहार में पैर पसारता 'सूखा नशा' रहा। मनोज कुमार ने युवाओं के भविष्य पर गहराते खतरे को देखते हुए प्रशासन के सहयोग से हर जिले में व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की घोषणा की।वहीं, प्रदेश उपाध्यक्ष विनीत कुमार ने संगठनात्मक अनुशासन पर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि बैठकों से लगातार अनुपस्थित रहने वाले सदस्यों की सदस्यता रद्द कर दी जाएगी। बैठक में सुनील कुमार, संजय कुमार और शत्रुघ्न पासवान सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ सक्रिय भूमिका निभाने का सामूहिक संकल्प लिया।

जनता नहीं भाजपा तय कर रही अगला मुख्यमंत्रीः तेजस्वी यादव

बीएनएम @ पटना। बिहार की राजनीति में जारी हलचल के बीच विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सत्ताधारी गठबंधन पर तीखा प्रहार किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की मुलाकातों पर तंज कसते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार की सरकार "दिल्ली के नियंत्रण" से संचालित हो रही है। तेजस्वी ने दावा किया कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका निर्णय जनता नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी कर रही है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर हो रही है।उन्होंने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले दो महीनों से मंत्रिमंडल की बैठक न होने के कारण प्रशासनिक कामकाज ठप है और विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। तेजस्वी के अनुसार, मुख्यमंत्री पद पर बने रहना चाहते थे, लेकिन परिस्थितियां उनके विपरीत हैं और अब भाजपा ही उनके भविष्य का फैसला ले रही है। उन्होंने पुराने घटनाक्रमों का हवाला देते हुए कहा कि आपसी तनाव के कारण ही वर्ष 2022 में गठबंधन टूटा था और वर्तमान में मुख्यमंत्री को हटाने की पटकथा भाजपा द्वारा ही लिखी जा रही है। इस बयान ने राज्य के सियासी गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है।

लोहारा' नहीं 'लोहार' शब्द को गजट में सुधारने की सरकार से अपील

बीएनएम @ बगहा

» संवैधानिक अधिकारों के लिए लौरिया में जुटे सैकड़ों लोहार

बगहा : पश्चिमी चंपारण के लौरिया स्थित अशोक स्तंभ परिसर में 'लोहार विकास मंच' द्वारा आयोजित महाजूटान कार्यक्रम समाज की एकजुटता और संवैधानिक अधिकारों के संघर्ष का प्रतीक बना। रविवार को हुए इस आयोजन में सैकड़ों की संख्या में समाज के लोग और दिग्गज नेता शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोहार जाति को पुनः अनुसूचित जनजाति की सूची में स्पष्ट रूप से शामिल कराना और आगामी जनगणना में स्वतंत्र कोड प्राप्त करना रहा।समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजकिशोर शर्मा व अन्य वक्ताओं ने भाषाई विसंगतियों पर कड़ा विरोध जताया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति आदेश 1950 और एक्ट 1976 के अनुसार 'Lohara' का हिंदी अर्थ 'लोहार' था, लेकिन बाद में 'लोहारा' शब्द जोड़कर आरक्षण के लाभ से समाज को वंचित कर दिया गया। जिलाध्यक्ष कुश शर्मा ने स्पष्ट किया कि यद्यपि एक्ट 23/2016 के तहत पूर्व के संशोधनों को निरस्त किया जा चुका है, फिर भी केंद्र सरकार का गजट में सुधार न करना प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है।नेताओं ने तर्क दिया कि हिंदी में 'लोहारा' शब्द का अस्तित्व ही नहीं है, इसलिए बिहार की एसटी सूची के क्रमांक 22 पर 'लोहार-लोहारा' अंकित होना चाहिए। अंत में, गुड्डू शर्मा ने इसे अनुच्छेद 32 के तहत मौलिक अधिकारों का हनन बताया और समाज को संगठित होने का आह्वान किया। कार्यक्रम में संकल्प लिया गया कि भाषाई त्रुटि सुधरने और हक मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा।कार्यक्रम की अध्यक्षता रामनाथ शर्मा ने की, संचालन धर्मप्रकाश शर्मा ने किया।

स्वच्छ फल्गु, स्वच्छ गयाजी' अभियान के तहत श्रमदान

» मैरीन ड्राइव और घाटों के सुंदरीकरण की उठी मांग

बीएनएम @ गयाजी

गयाजी। च्छ फल्गु, स्वच्छ गयाजी' अभियान के बैनर तले रविवार को पंचायती अखाड़ा स्थित बहादुरगिर घाट पर स्थानीय निवासियों ने सामूहिक श्रमदान कर फल्गु नदी की सफाई की। अभियान के संयोजक विजय कुमार मिट्ठु के नेतृत्व में लोगों ने मोक्षदायिनी फल्गु को गंदगी और झाड़ियों से मुक्त करने का संकल्प लिया। गया वासियों ने तय किया है कि अब प्रत्येक रविवार को नदी के पूर्वी छोर (सलेमपुर से अलीपुर) और पश्चिमी छोर (केंदुई से कंडी) तक निरंतर सफाई अभियान चलाया जाएगा।श्रमदान में शामिल सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार से फल्गु के दोनों तटों के विकास की पुरजोर मांग की। नेताओं ने पश्चिमी छोर पर बोधगया से चाकंद तक प्रस्तावित मैरीन ड्राइव का निर्माण जल्द शुरू करने और पूर्वी छोर पर बसंतपुर से खिजरसराय तक भी मैरीन ड्राइव बनाने का आग्रह किया। इसके साथ ही, विष्णुपद, सीताकुंड, पिता महेश्वर और रामशिला जैसे दर्जनों ऐतिहासिक एवं पौराणिक घाटों के जीर्णोद्धार और सुंदरीकरण की मांग प्रमुखता से उठाई गई। वक्ताओं ने कहा कि फल्गु की स्वच्छता और इन घाटों का विकास न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि शहर की सुंदरता और पर्यावरण के लिए भी आवश्यक है।आज श्रमदान में सह संयोजक टिंकू गिरी, नंद लाल यादव, प्रमोद यादव, ओम प्रकाश निराला, विनोद कुमार, राम दास मांझी, सुदर्शन प्रसाद, रवीन्द्र कुमार, सूबेदार रविदास आदि शामिल थे।

नीतीश कुमार ही रहेंगे बिहार की सत्ता के 'पावर सेंटरः संजय झा

बीएनएम @ पटना। जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भविष्य की राजनीतिक भूमिका को लेकर एक अत्यंत महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद छोड़ते भी हैं, तो भी राज्य की नई सरकार पूरी तरह से उनके ही मार्गदर्शन और विजन पर आधारित होगी। संजय झा के अनुसार, सरकार की नीतियों और सिद्धांतों में कोई बदलाव नहीं आएगा, बल्कि विकास कार्यों में निरंतरता बनी रहेगी।इस बयान का एक बड़ा संकेत यह है कि नीतीश कुमार बिहार की राजनीति में सक्रिय बने रहेंगे और अपना अधिकांश समय राज्य में ही बिताएंगे। वे दिल्ली केवल संसद सत्र के दौरान जाएंगे, जबकि बाकी समय बिहार के विकास कार्यों की सीधी निगरानी करेंगे। संजय झा के इस रुख से यह साफ हो गया है कि सत्ता के औपचारिक स्वरूप में बदलाव के बावजूद, राजनीतिक नियंत्रण और निर्णायक शक्ति नीतीश कुमार के पास ही सुरक्षित रहेगी। इसे आगामी चुनावों और गठबंधन के भीतर सत्ता संतुलन बनाए रखने की एक सोची-समझी रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

समाज कल्याण की जिम्मेदारी

बाईबैक ऐसा चलन है, जिससे कंपनियां बाजार में बिना अपना प्रदर्शन सुधारे अपने मूल्य में बढ़ोतरी कर लेती हैं। ऐसा वे शेयरधारकों से अपनी ही कंपनी के शेयरों को खरीद कर करती हैं। इससे कंपनी के शेयरों के भाव बढ़ जाते हैं।

कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक- 2026 को संयुक्त संसदीय समिति को भेजने पर बनी सहमति स्वागतयोग्य है। आशा है, समिति बिल में मौजूद कुछ समस्याओं को दूर करने में सफल रहेगी। ऐसी ही एक समस्या शेयर बाईबैक का प्रावधान है। नए बिल के तहत कुछ श्रेणी की कंपनियां साल में दो बार बाईबैक कर सकेंगी। फिलहाल, उन्हें एक बार ऐसा करने की इजाजत मिलती है। बाईबैक ऐसा चलन है, जिससे कंपनियां बाजार में बिना अपना प्रदर्शन सुधारे अपने मूल्य में बढ़ोतरी कर लेती हैं। ऐसा वे शेयरधारकों से अपनी ही कंपनी के शेयरों को खरीद कर करती हैं। इससे शेयरों के भाव बढ़ जाते हैं। नतीजतन कंपनी की सकल कीमत बढ़ जाती है। फिर शेयरों के बढ़ते भाव को देख कर बहुत से नए निवेशक संबंधित कंपनी के शेयरों में पैसा लगाते हैं।

कुल मिलाकर यह एक तरह का स्टॉक हेरफेर है, जिससे कंपनियां अपना मूल्य बढ़ाती हैं। अर्थव्यवस्था के अधिक से अधिक होते गए वित्तीयकरण के साथ ऐसे चलन बढ़ते चले गए हैं। अब आम समझ बनी है कि वास्तविक अर्थव्यवस्था के हित में ऐसी प्रवृत्तियों को नियंत्रित करने की जरूरत है। मगर भारत सरकार अपने देश की कंपनियों के लिए बाईबैक के अवसर दोगुना करने जा रही है। संसदीय समिति को इस पर अवश्य गंभीरता से विचार करना चाहिए। सरकार ने कंपनी ऐक्ट 2013 और एलएलपी ऐक्ट 2008 में संशोधन के लिए जो नया बिल पेश किया है, उसमें एक प्रावधान कंपनियों पर से कॉरपोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) का बोझ घटाने से संबंधित है। उसके तहत 10 करोड़ रुपये सालाना मुनाफा कमाने वाली कंपनी पर ही सीएसआर का प्रावधान लागू होगा। फिलहाल 1000 करोड़ रुपये टर्नओवर या कुल मूल्य 500 करोड़ रुपये अथवा पांच करोड़ रुपये सालाना मुनाफा वाली कंपनी को मुनाफे का दो फीसदी सीएसआर पर खर्च करना होता है। सीएसआर आरंभ से विवादास्पद प्रावधान रहा है। इसलिए उचित होता कि सरकार इस कॉन्सेप्ट पर ही पुनर्विचार करती। संसदीय समिति को सोचना चाहिए कि क्या यह उचित नहीं होगा कि समाज कल्याण की जिम्मेदारी कंपनी पर डालने के बजाय निर्वाचित सरकार वो रकम टैक्स के रूप में लेकर जन कल्याण करे?

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा

संजय गोस्वामी

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिका का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की, जबकि ईरानी वार्ताकारों की अगुवाई अगुवाई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है

आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11वाँदिन 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रित है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गई है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है दरअसल पाकिस्तान हाल ही में अफगानिस्तान में हवाई हमले कर 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों को मौत की नींद सुला दिया और इजराइल पर ऐ आरोप लगाना तर्कसंगत है कि बेरुत में बम बरसा रहा है निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहा है जबकी वहाँ हिजबुल्लाह एक आतंकी संघटन है लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बुधवार को हुए इजरायली हमले में अब तक कम से कम 254 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 1100 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।जो मानता हूँ ठीक नहीं है लेकिन जब आतंकवादी को पनाह देने वाले और आतंकवादी गतिविधियों में हजारों की संख्या में खुद ही निर्दोष लोग जिसमें भारत भी है को धर्म के आधार पर मारते हैं तो क्या ऐ सही है यदि धर्म का आधार ही है तो अफगानिस्तान में क्यों निर्दोष लोगों को मारा गया ऐ सिर्फ और सिर्फ अपनी डफली अपना राग और अपने आतंकी छवि को एक सफेद झूठ की चादर से ढक रहे है पाकिस्तान और ईरान का सीमा विवाद कोई नया नहीं है 2 वर्ष पूर्व याद कीजिएगा 17 जनवरी 2024 को मंगलवार रात पाकिस्तान पर हुए ईरानी मिसाइल हमले में दो बच्चों की मौत और तीन अन्य के घायल होने के बाद पाकिस्तान और ईरान के राजनयिक संबंधों में दरार है। उस समय पाकिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए तेहरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था और इस्लामाबाद में मौजूद ईरान के दूत के पाकिस्तान लौटने पर रोक लगा दी। उस समय इस्लामाबाद ने ईरान पर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोपलगाया, जबकि ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि मिसाइलों ने जैश अल-अदल नामक सशस्त्र समूह के दो ठिकानों को निशाना बनाया था।उस समय एक बयान में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा गया था , यह गैर-कानूनी हरकत पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसका कोई भी औचित्य नहीं है। इसमें चेतावनी दी गई, पाकिस्तान इस गैर-कानूनी हरकत का जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इसके परिणामों की पूरी जिम्मेदारी ईरान की होगी।अमेरिका भी कैसे पाकिस्तान के चंगुल में फंस गया ऐ भी उसकी वर्ड पावर की छवि को बहुत ही निचे बातचीत के टेबल तक ले गया ऐ उसके इतिहास में कभी नहीं हुआ की पाकिस्तान जैसे देश में जाकर शांति वार्ता के लिए मजबूरी वश जाना पड़ा क्योंकि पहले जितने भी राष्ट्रपति हुए वो या तो वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर, हमले का बदला या ईरान पर हमला कर कभी पीछे नहीं मुड़ा जहाँ तक ईरान में युद्ध की बात है नाटो का कहना ऐ उसका निजी मामला है हमसे पूछ कर नहीं किया गया तो ईराक में जब सद्दाम हुसैन पर हमला किया गया तो किससे पूछ कर किया फिर भी वहाँ भी अमेरिका को क्या खतरा था ईरान से तो समझ में आता है कि अमेरिका को बाद में खतरा हो सकता था क्योंकि उसकी मिशायल की मारक क्षमता बाद में अमेरिका तक मार करने की क्षमता हासिल कर सकता था और जो अभी खाड़ी देशों में अमेरिका के बेस पर जिसतरह हमला हुआ वैसा पहले कभी नहीं हुआ ऐ अमेरिका को गहरा चोट पहुँचाया है और इसमें कहीं ना कहीं पाकिस्तान की भी मिली भगत है क्योंकि उसी के बॉडर से होकर ही हथियार गया है जो अमेरिका के लाख बम्बारी के बाद भी 100 वीं लहर तक कैसे गया इसलिए की इसमें चीन और रूस के साथ पाकिस्तान का भी हाथ होगा हथियार पहुंचाने में, जो खबर निकल कर सामने आई है इसलिए पाकिस्तान शान्ति वार्ता क्या कराएगा जो खुद ही आतंकवादी के सहारे दहशतगर्द को पनपा रहा है और भारत में मासूमों की हत्या कराता है 26/11/08 को मुंबई में पाकिस्तान के आईएसआई ने ऐसी कत्लेआम का अंजाम दिया जिसमें सैकड़ो मासूमों की जान चंद आतंकवादी ने कत्लेआम किया वो भी धर्म के नाम पर, और हाल ही में पहलगांव में दर्जनों भारतीय पर्यटक की हत्या धर्म के नाम पर की, अतः एक कहावत है जो संत कबीर ने लिखी है :-बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय, जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय,संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण (self-reflection) का संदेश देता है, जो सिखाता है कि दूसरों में दोष ढूंढने से पहले अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत अगर ऑपरेशन सिंदूर कर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला नहीं करता तो कट्टरवादी आतंकी फिर कोई नया खेल करते और भारतीय मासूमों की जान जाती किसी भी धर्म में मानवता को ही सर्वोपरि माना गया है लेकिन धर्म की आड़ लेकर लोग इसका फायदा आतंक को पनपाने में करता है जो विश्व के लिए खतरा है अब ईरान भी उसी रास्ते पर चल पड़ा है क्योंकि जिस तरह खाड़ी देशों में उसके हमले में कई निर्दोष नागरिकों की मौत हुई है और जिस तरह हार्मोस को पूरी तरह बंद करके दूसरे देश के लिए क्यों बन्द किया जिसका इस युद्ध से कोई लेना देना नहीं है और उसने इसे सबसे बड़े हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया।

तेहरान ने छोटी नावों का इस्तेमाल करके हार्मोज में माइंस बिछा दी जिससे कोई भी जहाज इसका शिकार हो सकता है जिससे इस युद्ध में कोई लेना देना नहीं है कई जहाजो को वहाँ से गुजरने पर उड़ा भी दिया गया ऐ सब विश्व शांति के लिए खतरा है, और आतंकवादी देश आतंकी देश ही आपस में तालमेल बिठा लेते हैं और आतंकी को पनपाने में अमेरिका का ही हाथ रहा है क्योंकि यह बात खुद ट्रम्प ने ही पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को ईरान में परमाणु समझौता किया जिससे वो आज परमाणु बम बनाने के तरफ कदम रखा, हुती हिजबुल्ला, हमास, मलेशिया ग्रुप ईरान के प्रॉक्सी ग्रुप हैं जो न सिर्फ इजराइल में बल्कि मिडिल ईस्ट में आतंकवादी गतिविधियों का अंजाम देते हैं ट्रम्प की हताशा यहाँ तक हो गईं थी की सभ्यता नष्ट की बात करते हैं और फिर शान्ति के मसीहा बन जाते हैं और ईरान में अपने पैर पसारने और सजाने संवारने की बात करते हैं वहीं ईरान में कहाँ परिवर्तन हुआ आज भी खामनेई का फोटो और झंडा लहराते हुए लोग जश्न मानते नजर आ रहे हैं युद्ध विराम किया अच्छी बात है लेकिन पहले डराने धमकाने और ख़त्म करने का धमकी देने की जरुरत क्या थी ईरान ने अमेरिका को आर्थिक और सामरिक दृष्टिकोण से अपने मिशायल से काफी नुकसान पहुँचाया है और खाड़ी देश से अमेरिका के बेस को इस तरह बर्बाद किया है कि उन देशों पर अमेरिका का भरोसा उठ गया है और ऐ युद्ध इजराइल के लिए ख़त्म नहीं हुआ है आज भी बेरुत में हिजबुल्ला पर अटैक कर ही रहा है। इसलिए ऐ सीजफायर ज्यादा दिन टिकने वाला नहीं है पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता मात्र एक दिखावा है क्योंकि ईरान का भरोसा खाड़ी में अपने परोसी देशों पर हमला करना और इजराइल ने साफ कहा है कि शांति वार्ता में ऐ युद्ध शामिल नहीं है और इजराइल का समर्थन ट्रम्प ने किया है तभी युद्ध हुआ और अब अमेरिका कुछ दिन युद्ध विराम कर इससे सबक लेते हुए आगे की सैन्य अभियान को दुरस्त करने की है क्योंकि इसमें कई पेंच है जो इजराइल के पास येरुशेलम को लेकर एक धार्मिक स्थल है जो 2017 में डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बयान में साझा किया था कि यरुशलम न केवल तीन महान धर्मों का केंद्र है, बल्कि अब यह दुनिया के सबसे सफल लोकतंत्रों में से एक का भी केंद्र है। पिछले सात दशकों में, इजराइल के लोगों ने एक ऐसा देश बनाया है जहाँ यहूदी, मुसलमान, ईसाई और सभी धर्मों के लोग अपनी अंतरात्मा और अपनी मान्यताओं के अनुसार रहने और पूजा-अर्चना करने के लिए स्वतंत्र हैं। यरूशलम आज भी एक ऐसा स्थान है—और हमेशा ऐसा ही रहना चाहिए—जहाँ यहूदी वेस्टर्न वॉल पर प्रार्थना करते हैं, जहाँ ईसाई स्टेशन्स ऑफ़ द क्रॉस पर चलते हैं, और जहाँ मुसलमान अल-अक्सा मस्जिद में इबादत करते हैं।जहाँ अमेरिका के रक्षा मंत्री हेगसेथ का कहना है कि यरूशलम का इतिहास क्रूसेड्स—मध्ययुग के उन क्रूर युद्धों—का बचाव करने का रहा है, जिनमें ईसाई और मुसलमान एक-दूसरे के खिलाफ लड़े थे। अपनी 2020 की किताब अमेरिकन क्रूसेड में, उन्होंने लिखा कि जो लोग पश्चिमी सभ्यता का आनंद लेते हैं, उन्हें किसी क्रूसेडर का शुक्रिया अदा करना चाहिए। उनके दो टैटू क्रूसेडर इमेजरी से सम्बंधित है : उनके अनुसार जेरूसलम क्रॉस और ड्यूस वुल्ट या भगवान की इच्छा वाक्यांश, है जिसे हेगसेथ ने जेरूसलम की ओर मार्च करते समय ईसाई शूरवीरों का रैली का नारा कहा है। अमेरिका में ईसाई धर्म के लोग 65 परसेंट है और यही चुनाव में जीत हार को तय करता है पिछले इतिहास को देखेंगे तो मालूम पड़ेगा ऐ असल में एक धर्म युद्ध है जिसमें कई सालों से युद्ध हुआ और खतनाक नतीजे सामने आए हैं। इसलिए भारत का इसमें कोई रोल है ही नहीं भारत में भगवान राम ने शान्ति का संदेश दिया और भारत में सनातन इसलिए गर्व से अपने भगवान राम के लिए मानवता का संदेश दुनिया को पहुंचाता रहा है इसलिए भारत विश्वगुरू है क्योंकि भारत में भगवान राम का आशीर्वाद है और जब भी कोई संकट आएगा तो संकटमोचन रामभक्त भगवान हनुमान उसे बचाने आएंगे।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के बीच इज़रायल का हिज़्बुल्लाह पर आक्रामक रुख

सौरभ वार्ष्णेय

पश्चिम एशिया एक बार फिर विरोधाभासों के दौर से गुजर रहा है। एक ओर अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता की संभावनाएं बन रही हैं, वहीं दूसरी ओर इजऱायल ने लेबनान में हिज़्बुल्लाह के ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। यह स्थिति न केवल क्षेत्रीय संतुलन को चुनौती दे रही है, बल्कि शांति प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही है। इजऱायल का तर्क साफ है—वह अपनी सुरक्षा को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। हिज़्बुल्लाह को वह अपने लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है, जो ईरान के समर्थन से उत्तरी सीमा पर लगातार दबाव बनाए हुए है। ऐसे में जब अमेरिका और ईरान बातचीत की मेज पर हैं, इजऱायल इसे एक अवसर के रूप में देख रहा है कि वह सैन्य कार्रवाई के जरिए अपने दुश्मनों को कमजोर कर दे। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह रणनीति दीर्घकालिक शांति की राह आसान करती है, या फिर इसे और जटिल बना देती है? शांति वार्ता का मूल उद्देश्य तनाव कम करना होता है, जबकि इजऱायल के हमले उसी समय तनाव को बढ़ा रहे हैं। इससे यह संदेश जाता है कि क्षेत्रीय शक्तियां अपने-अपने हितों को प्राथमिकता दे रही हैं, भले ही इससे व्यापक शांति प्रक्रिया प्रभावित हो।लेबनान की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। पहले से ही आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा यह देश अब एक नए संघर्ष की आग में झुलस रहा है। आम नागरिकों के लिए यह हालात और भी भयावह होते जा रहे हैं, जहां हर विस्फोट के साथ जीवन और भविष्य दोनों अनिश्चित होते जा रहे हैं।इस पूरे घटनाक्रम में ईरान की भूमिका भी अहम है। हिज़्बुल्लाह को उसका समर्थन इजऱायल के लिए सीधी चुनौती है। ऐसे में अमेरिका–ईरान वार्ता का परिणाम चाहे जो भी हो, इजऱायल अपनी सुरक्षा रणनीति में कोई ढील देने के मूड में नहीं दिखता। यह स्थिति एक बड़े सवाल को जन्म देती है—क्या पश्चिम एशिया में शांति केवल कूटनीतिक वार्ताओं से संभव है, या इसके लिए सभी पक्षों को एक समान प्रतिबद्धता दिखानी होगी? जब तक एक ओर बातचीत और दूसरी ओर बमबारी का सिलसिला चलता रहेगा, तब तक शांति एक दूर का सपना ही बनी रहेगी।आज जरूरत इस बात की है कि सभी संबंधित पक्ष संयम बरतें और शांति प्रक्रिया को कमजोर करने वाले कदमों से बचें। वरना, यह विरोधाभास न केवल वर्तमान संकट को गहरा करेगा, बल्कि भविष्य में किसी स्थायी समाधान की संभावनाओं को भी धूमिल कर देगा।

हिज़्बुल्लाह क्यों है इजऱायल की प्राथमिकता? : पाकिस्तान में चल रही अमेरिका -ईरान शांति वार्ता के बीच इजरायल हिज़्बुल्लाह लेबनान पर जबरदस्त हमलें कर रहा है। इजऱायल के लिए हिज़्बुल्लाह केवल एक संगठन नहीं, बल्कि उसकी उत्तरी सीमा पर मौजूद सबसे बड़ा सुरक्षा खतरा है। लेबनान में सक्रिय यह संगठन ईरान समर्थित है और उसके पास हजारों रॉकेट और मिसाइलें हैं, जो सीधे इजऱायल के शहरों को निशाना बना सकती हैं। 2006 का इजऱायल-हिज़्बुल्लाह युद्ध 2006 इस खतरे का स्पष्ट उदाहरण रहा है, जब हिज़्बुल्लाह ने इजऱायल को भारी चुनौती दी थी।

इजऱायल की रणनीति साफ है—वह अपनी सीमाओं के आसपास किसी भी ऐसे सैन्य संगठन को पनपने नहीं देना चाहता, जो भविष्य में बड़े युद्ध का कारण बन सके। हिज़्बुल्लाह की बढ़ती ताकत और आधुनिक हथियारों की उपलब्धता इजऱायल की पूर्व-रक्षात्मक नीति को और आक्रामक बनाती है। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है ईरान की भूमिका। हिज़्बुल्लाह को ईरान का प्रॉक्सी माना जाता है, जो इजऱायल के खिलाफ छद्म युद्ध का हिस्सा है। ऐसे में हिज़्बुल्लाह पर हमला करना, दरअसल ईरान के प्रभाव को सीमित करने की रणनीति भी है। इजऱायल नहीं चाहता कि उसके आसपास ईरान का सैन्य घेरा मजबूत हो।इसके अलावा, इजऱायल के आंतरिक राजनीतिक दबाव भी इस नीति को प्रभावित करते हैं। सुरक्षा के मुद्दे पर कठोर रुख अपनाना वहां की सरकारों के लिए जरूरी होता है। नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और किसी भी संभावित खतरे को पहले ही खत्म करना, इजऱायल की नीति का मूल आधार है।हालांकि, इस आक्रामक रणनीति के अपने जोखिम भी हैं। लेबनान में हिज़्बुल्लाह के खिलाफ व्यापक कार्रवाई पूरे क्षेत्र को बड़े युद्ध की ओर धकेल सकती है। इससे न केवल लेबनान, बल्कि सीरिया और अन्य पड़ोसी देश भी प्रभावित हो सकते हैं।इजऱायल का हिज़्बुल्लाह को खत्म करने का उद्देश्य केवल तत्काल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दीर्घकालिक रणनीतिक संतुलन से जुड़ा है। लेकिन सवाल यह है कि क्या सैन्य समाधान ही स्थायी शांति ला सकता है? जब तक क्षेत्रीय राजनीति, ईरान–इजऱायल तनाव और लेबनान की आंतरिक स्थिति में सुधार नहीं होता, तब तक यह संघर्ष बार-बार उभरता रहेगा। यह स्थिति बताती है कि पश्चिम एशिया में शांति केवल हथियारों से नहीं, बल्कि कूटनीति, संवाद और संतुलित नीतियों से ही संभव है।

हिज़्बुल्लाह को खत्म करने का उद्देश्यः मध्य-पूर्व की राजनीति में हिज़्बुल्लाह एक ऐसा नाम है, जो सिर्फ एक संगठन नहीं बल्कि एक विचारधारा, सैन्य ताकत और क्षेत्रीय प्रभाव का प्रतीक बन चुका है। विशेषकर इजऱायल के लिए यह संगठन वर्षों से सबसे बड़ा सुरक्षा खतरा माना जाता रहा है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि इजऱायल हिज़्बुल्लाह को पूरी तरह खत्म क्यों करना चाहता है। इसको सिलसिलेवार समझते हैं कि सबसे पहला सुरक्षा और अस्तित्व का प्रश्न ? इजऱायल के लिए हिज़्बुल्लाह सिर्फ एक विरोधी संगठन नहीं, बल्कि उसकी सीमाओं पर खड़ा एक सशस्त्र खतरा है। लेबनान के दक्षिणी हिस्से से हिज़्बुल्लाह के पास हजारों रॉकेट और मिसाइलें हैं, जो सीधे इजऱायली शहरों को निशाना बना सकती हैं। ऐसे में इजऱायल के लिए यह लड़ाई अपने नागरिकों की सुरक्षा और अपने अस्तित्व से जुड़ी है। दूसरा क्षेत्रीय प्रभाव को सीमित करना। हिज़्बुल्लाह को ईरान का करीबी सहयोगी माना जाता है। ईरान इस संगठन के माध्यम से मध्य-पूर्व में अपना प्रभाव बढ़ाता है। इजऱायल के लिए हिज़्बुल्लाह को कमजोर करना, दरअसल ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव को चुनौती देना भी है। इजऱायल की सैन्य नीति अक्सर पहले ही खतरे को खत्म करना रही है। हिज़्बुल्लाह के बढ़ते सैन्य संसाधन और तकनीकी क्षमता (जैसे सटीक मिसाइलें) भविष्य में बड़े युद्ध का कारण बन सकते हैं। इसलिए इजऱायल इसे समय रहते खत्म करना चाहता है, ताकि संभावित बड़े संघर्ष से बचा जा सके। अंतिम कारण मनोवैज्ञानिक और राजनीतिक दबदबा है। हिज़्बुल्लाह ने 2006 के लेबनान युद्ध 2006 में इजऱायल को कड़ी टक्कर दी थी। इस युद्ध ने इजऱायल की अजेय छवि को झटका दिया। ऐसे में हिज़्बुल्लाह को खत्म करना इजऱायल के लिए अपनी सैन्य और राजनीतिक श्रेष्ठता को पुनः स्थापित करने का भी प्रयास है। इजऱायल के भीतर भी सरकारों पर दबाव रहता है कि वे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। साथ ही, अमेरिका जैसे सहयोगियों का समर्थन भी इस नीति को मजबूती देता है। हिज़्बुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई से इजऱायल अपने सहयोगियों को यह संदेश देता है कि वह आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए है। हिज़्बुल्लाह को खत्म करने का उद्देश्य केवल एक संगठन को समाप्त करना नहीं है, बल्कि यह सुरक्षा, रणनीति, राजनीति और शक्ति संतुलन का मिश्रण है। हालांकि, यह भी सच है कि ऐसी किसी भी कोशिश के गंभीर मानवीय और क्षेत्रीय परिणाम हो सकते हैं। इसलिए यह संघर्ष केवल सैन्य नहीं, बल्कि कूटनीतिक समाधान की भी मांग करता है।

रक्तरंजित वैशाखीः जलियांवाला बाग हत्याकांड

सुनील कुमार महला

भारतीय इतिहास में 13 अप्रैल का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ अत्यंत पीड़ादायक भी है। यह दिन जलियांवाला बाग हत्याकांड के रूप में स्मरण किया जाता है, जो ब्रिटिश शासन की क्रूरता का भयावह उदाहरण है। 13 अप्रैल 1919 को पंजाब के अमृतसर स्थित जलियांवाला बाग में निहत्थे और निर्दोष लोगों पर अंधाधुंध गोलियाँ चलाकर सैकड़ों लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई। इस घटना की पृष्ठभूमि में रॉलेट एक्ट था, जिसे काला कानून कहा गया, क्योंकि इसके तहत बिना मुकदमे के किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करने का अधिकार सरकार को मिल गया था। इस अन्यायपूर्ण कानून का पूरे देश में विरोध हुआ। अमृतसर में लोकप्रिय नेताओं सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल ने इसका कड़ा विरोध किया और लोगों को संगठित किया। यहां पाठकों को बताता चलूं कि सैफुद्दीन किचलू का जन्म 1888 में अमृतसर में हुआ था; वे एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, वकील और राष्ट्रवादी नेता थे तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जुड़े थे। वहीं, डॉ. सत्यपाल भी अमृतसर के प्रसिद्ध चिकित्सक और स्वतंत्रता सेनानी थे, जो कांग्रेस से जुड़े हुए थे और शांतिपूर्ण आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे। 10 अप्रैल 1919 को ब्रिटिश सरकार ने दोनों नेताओं को गिरफ्तार कर लिया, जिससे जनता में भारी आक्रोश फैल गया और विरोध प्रदर्शन तेज हो गए। 13 अप्रैल 1919 को बैसाखी का पर्व था, इसलिए लगभग 10,000 पुरुष, महिलाएँ और बच्चे जलियांवाला बाग में एकत्र हुए। कुछ लोग राजनीतिक सभा के लिए आए थे, जबकि कई लोग मेले के कारण वहाँ पहुँचे थे। उस समय जलियांवाला बाग कोई व्यवस्थित बगीचा नहीं था, बल्कि चारों ओर मकानों से घिरा एक बड़ा खुला मैदान था, जिसमें आने-जाने के लिए केवल एक संकरा प्रवेश मार्ग था और चारों ओर ऊँची दीवारें थीं। सभा की सूचना मिलते ही ब्रिटिश अधिकारी रेजिनाल्ड डायर लगभग 90 सैनिकों के साथ वहाँ पहुँचा। उसके साथ दो मशीनगनों से लैस बख्तरबंद गाड़ियाँ भी थीं, जो संकरे मार्ग के कारण भीतर नहीं जा सकीं। डायर ने बिना किसी चेतावनी के सैनिकों को गोली चलाने का आदेश दे दिया। सैनिकों ने लगभग 10 मिनट तक लगातार गोलीबारी की और लगभग 1650 गोलियाँ चलाईं; गोलीबारी तब तक जारी रही जब तक गोला-बारूद लगभग समाप्त नहीं हो गया। सैनिकों ने सभी निकास मार्गों को घेर लिया था, जिससे लोग भाग नहीं सके और सैकड़ों लोग वहीं मारे गए। अपनी जान बचाने के लिए कई लोग बाग में स्थित एक कुएँ में कूद गए, जहाँ से बाद में 100 से अधिक शव निकाले गए; यह स्थान आज 'शहीदी कुआँ' के रूप में सुरक्षित स्मारक है। मृतकों की संख्या को लेकर विभिन्न आँकड़े मिलते हैं।ब्रिटिश सरकारी अभिलेखों के अनुसार 379 लोग मारे गए और लगभग 200 घायल हुए; अमृतसर डिप्टी कमिश्नर कार्यालय की सूची में 484 शहीदों का उल्लेख मिलता है; जलियांवाला बाग की सूची में 388 शहीद दर्ज हैं; जबकि भारतीय अनौपचारिक आँकड़ों के अनुसार 1000 से अधिक लोग मारे गए और लगभग 2000 घायल हुए। ब्रिटिश अभिलेखों में मृतकों में 337 पुरुष, 41 नाबालिग लड़के और एक छह सप्ताह का शिशु शामिल था। घटना के बाद अमृतसर में कर्फ्यू लगा दिया गया और घायलों को अस्पताल ले जाने की अनुमति तक नहीं दी गई, जिसके कारण कई लोग रातभर तड़पते हुए मर गए। इसके बाद पूरे क्षेत्र में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया और जनरल डायर ने कई कठोर आदेश लागू किए, जिनमें 'क्रॉलिंग ऑर्डर' सबसे कुख्यात था, जिसके तहत एक गली से गुजरने वाले भारतीयों को पेट के बल रेंगकर गुजरने के लिए मजबूर किया जाता था; इसके अतिरिक्त अनेक स्थानों पर लोगों को सार्वजनिक रूप से कोड़े भी लगाए गए। इस घटना(जलियांवाला बाग हत्याकांड) की देश-विदेश में तीव्र निंदा हुई और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रिटिश शासन की आलोचना हुई। दबाव में आकर ब्रिटिश सरकार ने हंटर आयोग का गठन किया। आयोग के समक्ष डायर ने स्वीकार किया कि उसने पहले से ही लोगों को सबक सिखाने का निर्णय ले लिया था और वह बख्तरबंद गाड़ियों के साथ आया था, जो संकरे मार्ग के कारण भीतर नहीं लाई जा सकीं। आयोग की रिपोर्ट के बाद 1920 में डायर को पदावनत कर कर्नल बना दिया गया, उसे भारत में कोई पद न देने का निर्णय लिया गया और अंततः उसे ब्रिटेन वापस भेज दिया गया। ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स ने इस घटना की निंदा की, जबकि हाउस ऑफ लॉर्ड्स ने प्रारंभ में उसका समर्थन किया, जो ब्रिटिश इतिहास का एक शर्मनाक अध्याय माना जाता है। इस घटना से आहत होकर रवीन्द्रनाथ टैगोर ने ब्रिटिश सरकार द्वारा दी गई 'नाइटहुड' की उपाधि लौटा दी, वहीं महात्मा गांधी ने 'केसर-ए-हिंद' सम्मान वापस कर 1 अगस्त 1920 को असहयोग आंदोलन की शुरुआत की, जो अंग्रेजी शासन के विरुद्ध अहिंसक प्रतिरोध का व्यापक अभियान था। गांधीजी ने रॉलेट एक्ट के विरोध में सत्याग्रह का मार्ग अपनाया था। इस घटना का एक अन्य महत्वपूर्ण प्रभाव यह रहा कि ऊधम सिंह, जो इस हत्याकांड के प्रत्यक्षदर्शी थे, ने प्रतिशोध लेने का संकल्प लिया और 13 मार्च 1940 को लंदन के कैक्सटन हॉल में माइकल ओड्वायर की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया, मुकदमा चला और 31 जुलाई 1940 को पेंटनविल जेल में फाँसी दे दी गई। इस प्रकार, जलियांवाला बाग हत्याकांड केवल एक दुखद घटना नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक निर्णायक मोड़ था, जिसने देशवासियों के मन में स्वतंत्रता की ज्वाला को और अधिक प्रज्वलित कर दिया तथा अंग्रेजी शासन के अंत की नींव को मजबूत किया।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आज कार्य स्थल पर पुरानी कंपनी का अनुभव आपके लिए काफी कारगर साबित होगा। आध्यात्मिकता की ओर आपका रुझान बढ़ेगा है। उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न हो सकते हैं। घर पर मेहमानों का आगमन हो सकता है। करियर में आपको बड़ी सफलता हासिल हो सकती है।

वृष राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपको किसी से खास व्यक्ति से उपहार मिलेगा इससे आपका मन खुश रहेगा। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर रहेगा। सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरुस्त रहेंगे। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा।

मिथुन राशिः आज आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिल सकती है। करियर में बड़ी उपलब्धि हासिल होने के योग बन रहे हैं। नकारात्मक लोगों से बचकर रहें, व्यर्थ की बहस में पड़ने से बचें। भविष्य की योजनाओं को लेकर ओवर थिंकिंग न करें सब अच्छा होगा। परिवार वालों के साथ किसी टूर का प्लान बना सकते हैं।

कर्क राशिः आज आपका दिन ठीक ठाक रहेगा। आपको मित्रों से कुछ बेहतर सलाह मिल सकती है। वर्क फ्रॉम होम कर रहे लोगों का रुका हुआ काम आज कम्पलीट हो जाएगा, आप काम के नए टारगेट बनाएंगे। होल सेल का व्यापार कर रहे लोगों को आज अधिक मुनाफा होगा। आपकी सेहत में उतार चढ़ाव रहेगा, जिससे काम में मन कम लगेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आप आत्मविश्वास से लवरेज रहेंगे, नौकरी पेशा लोगों को तरक्की के नए अवसर मिल सकते हैं। आज परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बनाएंगे। जो लोग फिल्म जगत से जुड़े हैं उनको काम का अच्छा ऑफर मिल सकता है। आज हेल्थ से रिलेटेड प्रॉब्लम्स खत्म होने से एनर्जेटिक रहेंगे और काम करने में आपका मन लगा रहेगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए आज का दिन व्यस्तता से भर रहेगा। उन्हें काम से जुड़ी बड़ी खुशखबरी मिलेगी। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आज किसी बुजुर्ग व्यक्ति से मिलकर आप काफी मोटीवेट हो जाएंगे और कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने के सक्षम बनेंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन मिला जुला रहेगा। कारोबार संबंधी यात्राओं का योग बन रहा है, जिससे आपको धन संबंधी फायदा होगा। काम की गति धीमी हो सकती है। जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का प्रोग्राम आपको कैंसिल करना पड़ सकता है। किसी के प्रति अपनी राय को अपने तक ही सीमित रखें।

वृश्चिक राशिः आज आप अपने माता पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। जीवनसाथी के बीच सामंजस्य बना रहेगा। किसी मित्र के साथ मूवी देखने की प्लानिंग कर सकते हैं। लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है। आपको बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ हो सकता है।

धनु राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज जरूरी घरेलू काम निपटाने में आप सफल रहेंगे। दोस्तों के साथ आउटिंग पर जाने से आपको खुशी मिलेगी। धन से जुड़ी समस्या दूर हो जाएगी। साथ ही रुके हुए धन की प्राप्ति भी होगी। कार्य क्षमता के बल पर आपको आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आप अपनी ऊर्जा अच्छे कार्यों में लगा सकते हैं। इस राशि के सरकारी कर्मचारियों को लाभ मिल सकता है। आपको अपनी मेहनत के हिसाब से फल की प्राप्ति हो सकती है। नए व्यापार के सिलसिले में की गई यात्रा फायदेमंद हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलने से आपका मन उत्साह से भरा हो सकता है।

कुंभ राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। घर परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी। विद्यार्थी अपना समय अध्ययन में लगाएंगे, इससे उन्हें सफलता मिलेगी। आप सुबह के समय वर्क आउट शुरू कर सकते हैं, जिससे आप चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे। आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। सामाजिक स्तर पर आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आज आपको बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी।

मीन राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। जीवनसाथी की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया प्राप्त हो सकता है। साथ ही उनके साथ बिताए गए कुछ पल आपके रिश्ते को और भी मजबूत बनाएंगे। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर थोड़ी बहस हो सकती है। आपके अत्यधिक क्रोध से बना हुआ काम बिगड़ सकता है, इसलिए आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखने की जरूरत है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

डेविड मलान के बयान से क्रिकेट जगत में हंगामा: बॉल टैंपरिंग को कानूनी बना देना चाहिए

एजेंसी, नई दिल्ली

इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड मलान ने क्रिकेट जगत में एक नया विवाद छेड़ दिया है। उन्होंने बॉल टैंपरिंग को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिससे पूरे क्रिकेट जगत में हलचल मच गई है। मलान ने सुझाव दिया है कि गेंद और बल्ले के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए, गेंद से छेड़छाड़ को कानूनी मान्यता दे देनी चाहिए। उनका मानना है कि यह कोई नई प्रथा नहीं है, बल्कि लंबे समय से इसकी प्रैक्टिस होती आ रही है। एक पॉडकास्ट में बोलते हुए, मलान ने कहा कि इतिहास गवाह है कि सालों से खिलाड़ी गेंद से छेड़छाड़ करते पकड़े गए हैं। उनके अनुसार, यह अब कोई गोपनीय बात नहीं है, और इसे कानूनी बना देना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि बाहरी पदार्थों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होनी चाहिए। उनका

तर्क है कि फील्डिंग टीम को गेंद को जल्दी रिवर्स स्विंग कराने के लिए उसे खरोंचने की छूट मिलनी चाहिए, क्योंकि इसमें भी एक विशेष कौशल होता है। मलान का यह भी मानना है कि यदि गेंदबाजों को गेंद को रिवर्स कराने की क्षमता मिलती है, तो मैच अधिक रोमांचक और कड़े होंगे। इससे अंतिम ओवरों तक मुकाबला बराबरी का रहेगा और टीमें आसानी से कई विकेट हाथ में लेकर नहीं जीत पाएंगी, जिससे पूंछ के बल्लेबाजों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाएगी। यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में बॉल टैंपरिंग का एक ताजा मामला पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 में सामने आया था। लाहौर कलंदर्स के बल्लेबाज फखर जमान को एक मैच के आखिरी ओवर से ठीक पहले गेंद की हालत बदलते हुए कैमरे में पकड़ा गया था। इस घटना के परिणामस्वरूप, कलंदर्स को पांच रन की पेनल्टी मिली थी और कराची किंग्स ने वह लो-स्कोरिंग मैच जीत लिया था। बाद में, जमान पर दो मैचों का प्रतिबंध भी लगाया गया, हालांकि कप्तान शाहीन अफरीदी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह घटना टी20 क्रिकेट में भी बॉल टैंपरिंग की मौजूदगी को दर्शाती है। डेविड मलान का यह सुझाव निस्संदेह क्रिकेट के नियमों और उसकी स्पिरिट ऑफ़ द गेम पर एक नई बहस छेड़ देगा। जहां कुछ लोग उनके विचार का समर्थन कर सकते हैं कि यह खेल में संतुलन और रोमांच बढ़ाएगा, वहीं कई ऐसे भी होंगे जो इसे खेल की ईमानदारी के खिलाफ मानेंगे।

अंपायर से उलझने पर दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज नीतीश राणा पर लगा जुर्माना

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज नीतीश राणा को अंपायर के साथ उलझने के चलते दंडित किया गया है। उन पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ा गया है। ये घटना चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच के 19वें ओवर के दौरान हुई, जब डीसी के खिलाड़ी ट्रिस्टन स्टब्स को ओवर के बीच ग्लव्स बदलने की अनुमति नहीं दी गई थी। इसी ओवर में स्टब्स अपना विकेट भी गंवा बैठे। इससे नाराज नीतीश को चौथे अंपायर के साथ बहस करते देखा गया। राणा

पहले तीन मैचों में 15, 0 और 5 रन बनाने के बाद सीएसके के खिलाफ प्लेइंग-11 से बाहर थे। वह टीम के डगआउट में मौजूद थे। 19वें ओवर की शुरुआत में डीसी को दो ओवरों में 32 रनों की जरूरत थी और स्टब्स ही उनकी एकमात्र उम्मीद थे, जो 36 गेंदों पर नाबाद 60 रन बनाकर खेल रहे थे। उनका विकेट गिरने बाद डीसी को 23 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बयान के अनुसार नीतीश राणा पर उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। साथ ही उन्हें आईपीएल के खिलाड़ियों के लिए बनी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए एक डिमेरिट प्वाइंट भी दिया गया है। राणा को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो "मैच के दौरान जोर से अपशब्दों का इस्तेमाल करने" से संबंधित है। राणा ने अपनी गलती मान ली और मैच रेफरी द्वारा दी गई सजा को स्वीकार कर लिया।

बाबर आजम पीएसएल में 4000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

एजेंसी, लाहौर

स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने यहां जारी पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में अपने 4000 रन पूरे कर लिये है। पीएसएल में ये रिकार्ड बनाने वाले वह पहले पाक बल्लेबाज हैं। बाबर ने अपने 4000 रन लाहौर कलंदर्स के खिलाफ लीग स्तर के मैच में पूरे किये। इस मैच में पेशावर ज़ल्मी की कप्तानी करते हुए बाबर ने 40 गेंद पर ही 43 रन बना दिये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 107.50 का रहा और उन्होंने अपनी पारी के दौरान एक छक्का और तीन चौके लगाए। अब बाबर के 104

मैचों में कुल 4004 रन हो गए हैं। बाबर के नाम इस लीग में 2 शतक और 37 अर्धशतक भी हैं। वह साल 2016 में पीएसएल की शुरुआत से ही इस लीग में खेल रहे हैं। इसमें उनका औसत 45.50 है। बाबर ने इस लीग में सबसे पहले इस्लामाबाद यूनाइटेड से खेला था। इसके बाद वह 2017 से ही कराची किंग्स में शामिल हुए और उसमें छह साल तक शामिल रहे। इससे पहले वह पेशावर ज़ल्मी में आ गए और तभी से उसकी ओर से खेल रहे हैं। बाबर के अच्छे प्रदर्शन से अभी पेशावर ज़ल्मी इस सत्र में शीर्ष पर है। वहीं मुल्तान सुल्तान्स दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इसी साल हुए टी20 विश्व कप के बाद से ही पाक टीम के बाहर चल रहे बाबर क प्रयास इस लीग में अपने प्रदर्शन के बल पर वापसी करना है।

जब मैन ऑफ द मैच 9 रन बनाने वाला कप्तान बना

एजेंसी, नई दिल्ली

क्रिकेट के मैदान पर अक्सर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार उस खिलाड़ी को मिलता है, जो बल्ले या गेंद से धमाकेदार प्रदर्शन करता है। लेकिन दिसंबर 1992 में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए मुकाबले ने इस धारणा को बदल दिया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मार्क टेलर ने सिर्फ 9 रन बनाए थे, फिर भी उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। यह क्रिकेट इतिहास के उन अनूठे उदाहरणों में से एक है, जहाँ किसी खिलाड़ी की सोच, कप्तानी और फील्डिंग ने मैच का रुख बदल दिया। बारिश के कारण सिडनी की पिच में नमी थी, जिसने तेज गेंदबाजों को भरपूर मदद दी। ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी इस चुनौती के सामने टिक नहीं पाई और पूरी टीम महज 101 रनों पर ढेर हो गई। वेस्टइंडीज के घातक आक्रमण, जिसमें कर्टली एंब्रोज, कमिंस और कॉर्ल हूपर शामिल थे, ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया।

स्लो ओवर रेट के चलते सीएसके कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर लगा 12 लाख का जुर्माना

एजेंसी, नई दिल्ली

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगा है। उनके खिलाफ यह कार्रवाई शनिवार रात दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ मैच में स्लो ओवर रेट के चलते की गई है। आईपीएल के मुताबिक चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 18वें मैच के दौरान सीएसके टीम ने धीमा ओवर-रेट बनाए रखा। चूंकि, आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 (जो न्यूनतम ओवर-रेट से

जुड़े अपराधों से संबंधित है) के तहत यह उनकी टीम का इस सीजन का पहला अपराध था, इसलिए गायकवाड़ पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। मैच की बात करें, एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चेन्नई ने दिल्ली कैपिटल्स को 23 रन से हराकर इस सीजन पहली जीत दर्ज की। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने 20 ओवर में दो विकेट पर 212 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम के लिए सबसे बड़ी पारी संजू सैमसन ने खेली, जिन्होंने नाबाद 115 रन बनाए। उनके अलावा युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने 59 रन जोड़े, जबकि शिवम दुबे ने तेज नाबाद 20 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। 213 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की टीम 20 ओवर में 189 रन पर सिमट गई।

बिजनेस

अगले सप्ताह 2 आईपीओ होंगे लॉन्च, 2 कंपनियों के शेयरों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

सोमवार यानी 13 अप्रैल से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में मामूली हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह सिर्फ दो कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से एक आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि दूसरा आईपीओ एसएमई सेगमेंट का है। इसके अलावा निवेशक पहले से खुले दो आईपीओ में भी इस सप्ताह बोली लगा सकेंगे। जहां तक शेयर बाजार में नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह सिर्फ दो कंपनी स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इन दोनों कंपनियां के आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। दोनों कंपनियों के शेयरों की लिस्टिंग एक ही दिन होने वाली है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 17 अप्रैल को सिटियस ट्रांसनेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट का 1,340 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 21 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ के लिए अभी प्राइस बैंड

और लॉट साइज तय नहीं हो सका है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 22 अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट होगा, जबकि 23 अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इसी तरह 17 अप्रैल को ही मेहुल टेलिकॉम का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हो रहा है। इस इश्यू में भी 21 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकेगी। अभी इस आईपीओ का साइज, प्राइस बैंड और लॉट साइज तय नहीं हुआ है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 22 अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट होगा, जबकि 23 अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इन नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह नौ अप्रैल को सब्सक्रिप्शन लिए खुले ओम पावर ट्रांसमिशन के 150.06 करोड़ रुपये के आईपीओ में कल यानी सोमवार तक बोली लगाई जा सकती है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 166 रुपये से लेकर 175 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 85 शेयर का है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट हो सकता है, जबकि 17 अप्रैल को कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। अभी तक इस पब्लिक इश्यू को 71 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका है। इसी तरह पिछल सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 10 अप्रैल को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले प्रॉपशेयर सेलेस्टिया के 244.65 करोड़ रुपये के इश्यू में 16 अप्रैल तक आवेदन किया जा सकता है। इस इश्यू में आवेदन करने के लिए 10 लाख रुपये से लेकर 10.50 लाख रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। आईपीओ के तहत कुल 2,330 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 24 अप्रैल को इनकी बीएसई पर लिस्टिंग हो सकती है। अभी तक इस पब्लिक इश्यू को 47 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका है। जहां तक शेयर बाजार में लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह एक ही दिन दो कंपनियों के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। दोनों ही कंपनियों के आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं।

सर्राफा बाजार में उछला सोना, चांदी के भाव में मामूली गिरावट

एक सप्ताह में सोने के भाव में 1,910 रुपये तक की आई तेजी

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। हालांकि चेन्नई में सोने के भाव में कल की तुलना में कमजोरी का रुख बना हुआ है। वहीं, चांदी के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। सोना आज शनिवार की तुलना में 440 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 480 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। दूसरी ओर, तरह चांदी कीमत में कल की तुलना में 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी नजर आ रही है। सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, 22 कैरेट सोना आज 1,40,100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक

रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में आई मामूली गिरावट के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,60,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखें तो पिछले सप्ताह के कारोबार में सोना और चांदी की कीमत में मजबूती दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 1,910 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 1,750 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। चांदी के भाव में भी पिछले सप्ताह के कारोबार में तेजी आई। इस तेजी के कारण चांदी पिछले सप्ताह के भाव की तुलना में दस हजार रुपये प्रति किलोग्राम की उछाल हासिल करने में सफल रही। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,52,990 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,53,820 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,40,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,52,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मनोहर लाल ने बुनियादी ढांचे और विकास सहयोग पर महत्वपूर्ण बैठकें कीं, सांस्कृतिक स्थलों का किया दौरा

एजेंसी, नई दिल्ली

भूटान की 1,200 मेगावाट की पुनात्सांगछू-1 जलविद्युत परियोजना पर 7 साल के निलंबन के बाद फिर से काम शुरू हो गया है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने बांध निर्माण की शुरुआत के प्रतीक के रूप में आयोजित एक महत्वपूर्ण समारोह में शिरकत की। विद्युत मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि भूटान यात्रा के तीसरे दिन ऊर्जा (बिजली) और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने खुरुथांग शहर का दौरा किया, जहां उन्होंने इस क्षेत्र में चल रही स्थानीय विकास पहलों और शहरी बुनियादी ढांचे की योजना के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पुनाखा ज़ोंग का

भी दौरा किया, जो भूटान के सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक स्थलों में से एक है। इसके बाद मनोहर लाल ने सिमतोखा जोंग का दौरा किया।

माना जाता है कि यह भूटान के संस्थापक द्वारा 17वीं शताब्दी में बनवाया गया सबसे पुराना किला है, जहां उन्होंने मक्खन के दीये जलाने में हिस्सा लिया। मनोहर लाल ने बाद में भूटान की शाही सरकार में बुनियादी ढांचा और परिवहन मंत्री, ल्योनपो चंद्र बहादुर गुरुंग से मुलाकात की। चर्चाओं का मुख्य केंद्र बुनियादी ढांचे के विकास, शहरी सुविधाओं, कनेक्टिविटी और परिवहन प्रणालियों में द्विपक्षीय सहयोग के अवसर रहे।

विशाल निर्मिति लाएगी अपना पब्लिक इश्यू, सेबी से मिली अनुमति

एजेंसी, नई दिल्ली

रेलवे के लिए प्री स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) स्लीपर बनाने वाली कंपनी विशाल निर्मिति को अपना पब्लिक इश्यू लाने के लिए मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) से अनुमति मिल गई है। कंपनी की ओर से सितंबर 2025 में ही मार्केट रेगुलेटर के पास पब्लिक इश्यू लाने के लिए ड्राफ्ट रेड हेयरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा किया गया था। अब सेबी ने इस प्रस्तावित इश्यू के लिए ऑब्जर्वेशन जारी कर दिया है। ऑब्जर्वेशन जारी होने के बाद कंपनी अगले एक साल की अवधि में प्राइमरी मार्केट में अपना आईपीओ लॉन्च कर सकती है। विशाल निर्मिति की ओर से उपलब्ध जानकारी के अनुसार ये एक सिविल इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग और कंस्ट्रक्शन कंपनी है। ये रेलवे के लिए प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) स्लीपर बनाती है। कंपनी ने अपने पब्लिक इश्यू में नए शेयर जारी कर 125 करोड़ रुपये जुटाने का प्रस्ताव रखा है। इसके अलावा प्रमोटर वामन प्री-स्ट्रेसिंग कंपनी इस पब्लिक इश्यू में ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए 15 लाख शेयर बेच सकती है। ये कंपनी रेलवे के लिए प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) स्लीपर बनाने और उनका व्यापार करने के अलावा अलग अलग उपयोग के लिए प्रीकास्ट और प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट उत्पादों का भी उत्पादन करती है।

केंद्र ने डीजल और एटीएफ निर्यात पर बढ़ाया विंडफॉल टैक्स, नई दरें लागू

एजेंसी, नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम में आए भारी उछाल के बीच ईंधन के निर्यात पर लगने वाले अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) में भारी इजाफा किया गया है। केंद्र सरकार ने शनिवार को डीजल के निर्यात शुल्क यानी अप्रत्याशित लाभ कर को बढ़ाकर 55.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया है। वहीं, विमान ईंधन (एटीएफ) के लिए यह दर अब 42 रुपये प्रति लीटर होगी। नई दरें लागू हो गई है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक अधिसूचना में बताया कि घरेलू स्तर पर पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने डीजल पर विंडफॉल टैक्स को

21.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 55.5 रुपये और एटीएफ के निर्यात पर यह टैक्स 29.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 42 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। पेट्रोल पर निर्यात शुल्क इस समय शून्य बना हुआ है। अधिसूचना के मुताबिक शुल्क में यह बढ़ोतरी तत्काल प्रभाव से लागू होगी सरकार ने इससे पहले 26 मार्च को डीजल पर 21.50 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 29.5 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया था। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बी बीच घरेलू बाजार में ईंधन की उपलब्धता बढ़ाने के लिए ये शुल्क लगाए गए थे। इन शुल्कों का उद्देश्य निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कीमतों के अंतर का अनुचित लाभ उठाने से रोकना है, क्योंकि पश्चिम एशिया में जारी सकंट के बाद से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य हमले के बाद तेहरान की ओर से व्यापक जवाबी कार्रवाई की गई थी।

तृप्ति डिमरी ने रचा इतिहास, बनी विक्टोरिया सीक्रेट से हाथ मिलाने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री

पं फिल्म एनिमल की अपार सफलता के बाद नेशनल क्रश बनीं अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने वैश्विक स्तर पर एक ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, जिसने पूरे देश को गौरवान्वित कर दिया है। वो दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और मशहूर फैशन ब्रांड विक्टोरिया सीक्रेट की पहली भारतीय ब्रांड एंबेसडर नियुक्त की गई हैं। ये न केवल उनके बढ़ते स्टारडम का प्रमाण है, बल्कि वैश्विक फैशन जगत में भारतीय सुंदरता की बदलती पहचान को भी दर्शाता है। विक्टोरिया सीक्रेट के पास दुनियाभर के लगभग हर देश की ऐसी मॉडल हैं, जो उनके लॉन्जरी ब्रांड के लिए रैंप वॉक करती हैं, लेकिन अब तक इस ब्रांड ने भारत के लिए कभी कोई ब्रांड एंबेसडर नियुक्त नहीं किया था। हालांकि, भारतीय मूल की मॉडल पहले भी विक्टोरिया सीक्रेट के लिए रैंप पर उतर चुकी हैं। ब्रिटिश-भारतीय मॉडल नीलम गिल ने 2024 और 2025 में विक्टोरिया सीक्रेट फैशन शो में वॉक करने वाली पहली पंजाबी मॉडल बनकर इतिहास रचा था। भारत की पहली ब्रांड एंबेसडर के तौर पर तृप्ति इस कैंपेन को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार हैं। बतौर ब्रांड एंबेसडर उनका इससे जुड़ना, भारतीय बाजार में इस ब्रांड की पहुंच को एक नई और सशक्त दिशा प्रदान करेगा। विक्टोरिया सीक्रेट की स्थापना साल 1977 में कैलिफोर्निया में हुई थी। इसकी शुरुआत एक ऐसे लॉन्जरी स्टोर के रूप में की गई थी, जहां पुरुष बिना किसी झिझक के आराम से खरीदारी कर सकें। ये कलेक्शन ब्रांड की उस सदाबहार शैली को दर्शाता है, जिसमें तृप्ति का व्यक्तित्व इस कैंपेन में नई जान फूंक रहा है। ब्रांड के साथ अपनी इस साझेदारी पर बात करते हुए तृप्ति बोलीं, मेरे लिए आकर्षक होने का मतलब सिर्फ लुक (दिखावट) से नहीं है, बल्कि ये आत्मविश्वास के बारे में है। ये इस बारे में है कि आप खुद को कितनी सहजता से पेश करते हैं और आप सचमुच जो हैं, उसे कितनी गर्व से स्वीकार करते हैं। तृप्ति अब एनिमल के बाद एक बार फिर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट में नजर आएंगी। इसमें तृप्ति साउथ स्टार प्रभास के साथ इश्क फरमाने वाली हैं। तृप्ति फिल्म मां-बहन का भी हिस्सा हैं। ये एक कॉमेडी-ड्रामा होगी, जो साल 2026 में ही ओटीटी पर दस्तक दे सकती है। इस फिल्म में तृप्ति, माधुरी दीक्षित के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी। इसके अलावा उन्हें हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री परवीन बाबी की बायोपिक में देखा जाएगा।

मातृभूमि का रोमांटिक गाना मेरा जी नहीं भरा रिलीज, सलमान खान की फिल्म में नजर आए नए चेहरे

सलमान खान फिल्म्स म्यूजिक ने अपनी फिल्म मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस का नया गाना मेरा जी नहीं भरा रिलीज कर दिया है. यह सुकून देने वाला रोमांटिक ट्रैक रिलीज होते ही लोगों के दिलों को छू रहा है. जैन शॉ और अभिश्री सेन पर फिल्माया गया यह गाना युद्ध की अफरा-तफरी के बीच पनपते खूबसूरत प्यार को बखूबी दिखाता है. सोशल मीडिया पर इस गाने को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, मेरा जी नहीं भरा एक प्यारा सा रोमांटिक गाना है जो फिल्म की कहानी में भावनाओं का एक नया मोड़ लेकर आता है. इसके विजुअल्स आंखों को सुकून देने वाले हैं और बैकग्राउंड्स काफी शानदार हैं, जो लीड जोड़ी की केमिस्ट्री को और भी निखारते हैं और फिल्म की दुनिया में एक इमोशनल गहराई जोड़ते हैं. इंडियन सिनेमा के सबसे यादगार रोमांटिक गानों को अपनी आवा देने वाली श्रेया घोषाल और अपनी रूहानी आवाज के लिए मशहूर विशाल मिश्रा, अब सलमान खान की फिल्म के इस दिल छू लेने वाले गाने के लिए साथ आए हैं. इस ट्रैक को शमीर टंडन और कुमार गौरव सिंह ने कंपोज किया है, जबकि इसके बोल विश्वदीप जीस्त ने लिखे हैं. शबीना खान की कोरियोग्राफी इस गाने में एक अलग ही खूबसूरती और ग्रेस जोड़ती है. फर्रे और क्लास व स्ट्रेंज सिटी जैसी ओटीटी सीरीज के लिए पहचाने जाने वाले जैन इस रोल के साथ अपनी वर्सेटिलिटी (बहुमुखी प्रतिभा) दिखा रहे हैं. वहीं, अभिश्री सेन इस फिल्म के साथ एक प्रॉमिसिंग डेब्यू कर रही हैं. यह गाना न केवल मातृभूमि में रोमांस का तड़का लगाता है, बल्कि मुश्किल हालातों में प्यार और इंसानियत ढूंढने की इसकी थीम को भी पूरा करता है. सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमान खान द्वारा प्रोड्यूस और अपूर्व लाखिया के डायरेक्शन में बनी मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस, बहादुरी, बलिदान और हिम्मत की एक सच्ची कहानी पेश करने का वादा करती है. फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगी.

'धुरंधर 2 ने रचा इतिहास, हिंदी वर्जन में 1000 करोड़ कमाने वाली पहली बॉलीवुड फिल्म बनी

र रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2 ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर नया इतिहास रच दिया है। फिल्म के हिंदी वर्जन ने 1000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए इस बात की पुष्टि की। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक फिल्म धुरंधर 2 का हिंदी वर्जन 1000 करोड़ रुपये कमा चुका है। इस बेंचमार्क छूने वाली यह पहली हिंदी फिल्म बन चुकी है। रिलीज के 22वें दिन यह रिकॉर्ड फिल्म 'धुरंधर 2 ने अपने नाम किया है। इस फिल्म के हिंदी वर्जन ने गुरुवार को 1009 करोड़ रुपये का कुल कलेक्शन कर लिया है।

फिल्म 'धुरंधर 2 ने तमिल और तेलुगु वर्जन को मिलाकर भी 1,050.51 करोड़ रुपये कमाए लिए हैं। आदित्य धर निर्देशित और रणवीर सिंह स्टारर फिल्म 'धुरंधर 2 ने वर्ल्डवाइड भी 1,680 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इस फिल्म की नजर अब 'पुष्पा 2 के वर्ल्डवाइड कलेक्शन पर है। जल्द ही यह रिकॉर्ड भी 'धुरंधर 2 ब्रेक कर सकती है। फिल्म 'पुष्पा 2 की बात करें तो इसने वर्ल्डवाइड 1,742.10 करोड़ रुपये कमाए थे।

विक्की कौशल की महावतार में श्रद्धा कपूर होंगी शामिल?

विक्की कौशल के लिए साल 2025 बेहद शानदार साबित हुआ। उनकी ऐतिहासिक फिल्म छावा ने भारत में करीब 800 करोड़ के आसपास कारोबार करते हुए उन्हें सफलता दिलाई। अब फैंस की नजरें अभिनेता की अगली फिल्म महावतार पर टिकी हुई हैं। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित इस पौराणिक महाकाव्य को लेकर ताजा अपडेट है कि अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इस परियोजना से जुड़ सकती हैं। इस खबर ने अभी से फैंस को बेहद उत्साहित कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, स्त्री फ्रैंचाइजी के निर्देशक अमर कौशिक अपनी महात्वकांक्षी परियोजना महावतार के लिए श्रद्धा से बाचीत कर रहे हैं। अगर सबकुछ तय हो जाता है तो फिल्म की शूटिंग जून, 2026 से शुरू की जा सकती है। सूत्र ने कहा, श्रद्धा इस किरदार के लिए बिल्कुल सही हैं। टीम ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थी जो स्टार वैल्यू और दमदार उपस्थिति ला सके। निर्माताओं को उम्मीद है कि विक्की कौशल के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों को पसंद आएगी। महावतार में विक्की के साथ मुख्य किरदार के लिए श्रद्धा पहली अभिनेत्री नहीं हैं, उनसे पहले दीपिका पादुकोण का नाम चर्चा में था। ऐसी खबर थी कि दीपिका इस पौराणिक परियोजना में विक्की के साथ मुख्य महिला किरदार निभा सकती हैं ।

इच्छामृत्यु पर आधारित आदिल हुसैन की फिल्म मर्सी की पहली झलक सामने आई, इस दिन होगी रिलीज

आदित हुसैन स्टारर फिल्म 'मर्सी की पहली झलक आज सामने आ गई है। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट भी जारी कर दी है। कई फिल्म फेस्टिवल्स में सराहना बटोरने के बाद फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब फिल्म की पहली झलक देखने के बाद फैंस का उत्साह फिल्म को लेकर और भी बढ़ गया है।

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म की पहली झलक साझा की है। 'मर्सी निष्क्रिय इच्छामृत्यु जैसे संवेदनशील विषय पर आधारित है। फिल्म में गहरा इमोशन, दुख और दर्द देखने को मिलता है। साथ ही यह फिल्म मानवता और लीगल प्रक्रिया को भी दर्शाती है। फिल्म जीवन के अंतिम पड़ाव पर खड़े एक परिवार की भावनात्मक सीमाओं पर केंद्रित एक दिल को छू लेने वाली कहानी के रूप में सामने आती है। फिल्म की पहली झलक में भी यही देखने को मिलता है।

मेकर्स ने फिल्म की पहली झलक साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 'हर विदाई में प्यार और बिछड़ने की कहानी छिपी होती है। मर्सी की पहली झलक चुनिंदा सिनेमाघरों में धुरंधर द रिवेंज के साथ दिखाई जा रही है। मर्सी जुड़ाव, देखभाल और जाने देने के लिए जरूरी शांत शक्ति की एक गहरी मानवीय कहानी दिखाती है। मर्सी भारत भर में 24 अप्रैल, 2026 को रिलीज हो रही है।

यह फिल्म ऐसे समय में आई है, जब हाल ही में हरीश राणा को इच्छामृत्यु दी गई है। जिसके बाद एक नई बहस भी छिड़ गई है। हरीश राणा 13 साल से अधिक समय तक कोमा में थे और भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इच्छामृत्यु की इजाजत पाने वाले पहले व्यक्ति बने। यह फिल्म की कठिन मॉरल और कानूनी सच्चाइयों की पड़ताल को दर्शाती है। मितुल पटेल द्वारा निर्देशित और लिखित 'मर्सी में आदिल हुसैन, राज वासुदेवा और निहारिका रायजादा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके साथ ही अपर्णा घोषाल और कुणाल भान भी फिल्म में अहम किरदारों में दिखेंगे। फिल्म को कई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में सराहना मिली है। अब ये फिल्म भारत में रिलीज के लिए तैयार है।

कॉन सिटी का टीजर आया सामने, अर्जुन दास और अन्ना बेन के साथ इम्मान अन्नाची का दिखा नया अंदाज

दक्षिण भारतीय सिनेमा में इन दिनों निर्देशक हरीश दुरईराज की आने वाली कॉमेडी-फैमिली एंटरटेनर कॉन सिटी काफी चर्चा में है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्सुकता का माहौल है। इस कड़ी में फिल्म मेकर्स ने टीजर जारी किया है और बताया कि फिल्म में इम्मान अन्नाची कौन सा किरदार निभा रहे हैं। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस पॉवरहाउस पिक्चर्स ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, हर गली की अपनी कहानी होती है। कॉन सिटी में इम्मान अन्नाची से मिलिए, जो चुट्टी अन्ना का किरदार निभा रहे है। यह फिल्म हरीश दुरईराज द्वारा बनाई गई है और जल्द ही आपके नजदीकी थिएटर में आएगी। टीजर की शुरुआत ही दर्शकों को रोमांचित कर देती है। टीजर में देखा जा सकता है कि अर्जुन दास अपने घर से भागकर सुरक्षित जगह पर पहुंचते है, लेकिन उनके पीछे बड़ा खतरा है। उन्हें फोन पर पैसे मांगने वाला एक व्यक्ति लगातार धमकी दे रहा है। मनी लेंडर अर्जुन दास को धमकी देता है कि अगर उसने धोखा दिया तो वह उसके परिवार को नहीं छोड़ेगा। इस पर अर्जुन दास गुस्से में जवाब देते हैं कि वह पैसे नहीं देगा और जो करना है कर ले। इसके बाद अर्जुन दास गुस्से में अपने आस-पास की चीजों

को उछालते हैं और अचानक उन्हें एक जादुई मशीन मिल जाती है, जिससे नोट निकलने लगते हैं। इस घटना से कहानी में मजेदार और रोमांचक मोड़ आता है और दर्शक जानने के लिए उत्साहित हो जाते हैं कि आगे क्या होने वाला है। फिल्म में अर्जुन दास और अन्ना बेन के अलावा, योगी बाबू, वदिवुक्कारसी, इम्मान अन्नाची और अखिलन भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। निर्देशक हरिश दुरईराज ने इस फिल्म में हास्य, रोमांच और पारिवारिक भावनाओं का बेहतरीन मिश्रण किया है। टीजर से साफ है कि फिल्म थ्रिलर से भरपूर है। टीजर के बाद फैंस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं और यह फिल्म रिलीज होने से पहले ही चर्चा का विषय बन चुकी है।

नवीन राज शंकरपु, पूजा सुहासिनी फिल्म थेराचापा का ट्रेलर लॉन्च हुआ

अनन्या क्रिएशन्स बैनर के तहत कैलाश दुर्गम द्वारा निर्मित आगामी फिल्म थेराचापा का ट्रेलर भव्य तरीके से लॉन्च किया गया है। जोएल जॉर्ज द्वारा निर्देशित, फिल्म में नवीन राज शंकरपु, पूजा सुहासिनी और श्रीलु प्रमुख भूमिकाओं में हैं, जिसमें राजीव कनकला, पृथ्वीराज, जगदीश प्रताप बंडारी, फिश वेंकट, जबरदस्त अशोक, नागी, अप्पाराव, राइजिंग राजू, राजेश भूपति, नागा वामसी, श्रीनिवास नेसा, चंद्रा और अन्य शामिल हैं।

फिल्म की छायांकन अज़ीम और वेंकट ने की है, जबकि संगीत प्रजल कृष्ण ने तैयार किया है और पृष्ठभूमि संगीत एमएल राजा ने दिया है। संपादन

राजू बोदासिंगी ने किया है और कोरियोग्राफी जीवन जॉर्ज ने की है। जैसे-जैसे रिलीज़ की तारीख नज़दीक आ रही है, निर्माताओं ने ट्रेलर जारी किया है, जो फिल्म की दुनिया की एक झलक पेश करता है। ट्रेलर एक सुखद और सुकून देने वाले बैकग्राउंड संगीत से शुरू होता है, जो एक तटीय गाँव में घटित कहानी का माहौल तैयार करता है। यह ग्रामीण जीवन के सार को दर्शाता है - जो प्रेम, रिश्तों, राजनीति और सामाजिक विभाजनों से भरा हुआ है। कहानी एक ऐसे युवक के इर्द-गिर्द घूमती प्रतीत होती है जो अपने गाँव की मौजूदा परिस्थितियों के खिलाफ विद्रोह करता है, और भावनात्मक संघर्षों और सामाजिक समस्याओं को उजागर करता है। संवाद और प्रस्तुति उत्कृष्ट हैं, जो एक आकर्षक सिनेमाई अनुभव का वादा करते हैं। कुल मिलाकर, थेराचापा एक आशाजनक ग्रामीण राजनीतिक ड्रामा प्रतीत होता है जो तेलुगु सिनेमा में एक नया मानदंड स्थापित कर सकता है।

खाना बनाना सीखना चाहते हैं? इन 5 तरीकों से बढ़ाएं अपनी रसोई की काबिलियत

खा खाना बनाना एक कला है, जिसे सीखना और सुधारना कभी भी मुश्किल नहीं होता। अगर आप रसोई में नई-नई चीजें बनाना चाहते हैं तो कुछ आसान तरीकों से आप अपनी रसोई की काबिलियत को बढ़ा सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप न केवल खाना बनाना सीखेंगे, बल्कि अपने परिवार और दोस्तों को भी खुश कर सकेंगे। इन तरीकों से आप रसोई में अधिक आत्मविश्वास के साथ काम कर सकेंगे।

रसोई की सफाई और व्यवस्था बनाए रखें : रसोई की सफाई और व्यवस्था बनाए रखना बहुत जरूरी है। इससे न केवल काम करने में आसानी होती है, बल्कि आपको हर चीज आसानी से मिल भी जाती है। रोजाना अपने किचन के काउंटर को साफ करें, बर्तन तुरंत धो लें और सामग्री को सही जगह पर रखें। इसके अलावा हर हफ्ते अपने मसाले और खाने की चीजों को व्यवस्थित करें ताकि आपको पता रहे कि कौन-सी सामग्री कहां रखी हुई है।

सरल रेसिपी से शुरुआत करें : अगर आप नए हैं तो सरल रेसिपी से शुरुआत करें। जैसे कि सूप, सलाद या आम पकोड़ी आदि। इनसे आपको बुनियादी तकनीकें सीखने को मिलेंगी और

आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। धीरे-धीरे आप अधिक जटिल व्यंजन भी बना सकेंगे। इसके अलावा इन सरल रेसिपीज से आप अलग-अलग मसालों और सामग्रियों का उपयोग भी सीखेंगे, जिससे आपके खाने का स्वाद और गुणवत्ता दोनों ही बेहतर होंगे। इस तरह आप खाना बनाने में माहिर हो जाएंगे।

ऑनलाइन ट्यूटोरियल्स का करें उपयोग : आजकल इंटरनेट पर कई ऑनलाइन ट्यूटोरियल्स उपलब्ध हैं, जो आपके लिए बहुत मददगार साबित हो सकते हैं। वीडियो चैनल्स, ब्लॉग्स और ऐप्स की मदद से आप नई-नई रेसिपी सीख सकते हैं और उन्हें घर पर आजमा सकते हैं। इन ट्यूटोरियल्स से आपको अलग-अलग तकनीकों और टिप्स मिलेंगे, जो आपके खाना बनाने के अनुभव को और भी बेहतर बनाएंगे। इसके अलावा आप ऑनलाइन समुदाय का हिस्सा बनकर अन्य लोगों से भी सीख सकते हैं।

सही उपकरणों का करें चयन : खाना बनाने के लिए सही उपकरणों का होना बहुत जरूरी है। अच्छे चाकू, कटिंग बोर्ड, पैन और बर्तन रखें ताकि काम आसानी से हो सके। इसके अलावा मिक्सर ग्राइंडर, प्रेशर कुकर जैसी चीजें भी आपकी रसोई को सुविधाजनक बनाएंगी। सही उपकरणों से न केवल आपका समय बचेगा बल्कि आपका काम भी आसान होगा। इनसे आप अधिक कुशलता से खाना बना सकेंगे और आपके व्यंजनों की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।

धैर्य रखें और प्रयोग करते रहें : खाना बनाना एक ऐसी कला है जिसमें धैर्य रखना बहुत जरूरी है। शुरुआत में कुछ गलतियां हो सकती हैं, लेकिन उनसे सीखकर आप बेहतर होंगे। लगातार प्रयोग करते रहने से आपकी तकनीक सुधरेगी और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। इन सभी तरीकों को अपनाकर आप अपनी रसोई की काबिलियत बढ़ा सकते हैं और खाना बनाना सीख सकते हैं। याद रखें, अभ्यास ही सफलता की कुंजी है।

आरजे महवश की सीरीज सतरंगी- बदले का खेल का ऐलान, जानिए कहां देगी दस्तक

आरजे महवश को आखिरी बार वेब सीरीज प्यार, पैसा और प्रॉफिट में देखा गया था। अब उनकी नई सीरीज सतरंगी- बदले का खेल का ऐलान किया गया है जो उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। इसके निर्देशन की कमान जय बसंतु ने संभाली है, जबकि निर्माता दिलीप बच्चन झा और रितेश मोदी हैं। सीरीज में महवश के साथ अंशुमान पुष्कर मुख्य किरदार में दिखाई देंगे, जिन्हें साल मोहब्बत और 12वीं फेल से पहचान मिल चुकी है। सतरंगी- बदले का खेल का प्रीमियर जी5 पर किया जाएगा। रिलीज तारीख आना बाकी है। सीरीज से पहला पोस्टर भी सामने आया है जिसमें महवश और अंशुमान की एक झलक को पेश किया गया है। इसकी कहानी भावनात्मक रिश्तों, सामाजिक कलंक और जटिल रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें सम्मान, प्रेम और बदले का मिश्रण शामिल है। सीरीज में कुमुद मिश्रा, उपेन चौहान, सद्दाम सोफिया हुसैन, अतुल कुसुम संजय और बी शांतुनु जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में शामिल होंगे।

जायद में मूंग की खेती से अतिरिक्त आमदनी

बीज उपचार

फसल को बीज जनित रोगों से बचाव हेतु 2 ग्राम थीरम अथवा बाविस्टीन को प्रति किलो ग्राम बीज में मिलाकर बीज का उपचार बुआई के एक सप्ताह पूर्व कर लेना चाहिए। बुआई से 3-4 घंटे पहले उपयुक्त राईजोबियम जीवाणु से बीज उपचारित करना अति आवश्यक है।

बोआई का समय और बोआई का तरीका

गर्मियों में मूंग की बुआई उचित समय पर करना अति आवश्यक है, क्योंकि बोआई देर से होने पर इसके पकने के समय तक वर्षा हो जाने के कारण पैदावार में गिरावट आ जाती है।अतएव अधिकतम उपज प्राप्त करने के लिये मार्च के अंतिम सप्ताह से लेकर अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक बोआई कर देना चाहिए। मूंग का 15 से 20 किलोग्राम बीज प्रति हैक्टेयर पर्याप्त है।

उर्वरक

सामान्य तथा किसानों की ऐसी धारणा है कि दलहनी फसलों के लिये खाद-उर्वरक की आवश्यकता नहीं पड़ती है। यह धारणा उन्नत कृषि विधियों के अनुरूप नहीं है। दलहनी फसलों को भी प्रारंभिक अवस्था में जब जड़ों में राइजोबियम नामक जीवाणु की गांठें सुचारू रूप से न बन जाएं नाइट्रोजन की आवश्यकता पड़ती है। 20 से 25 किग्रा. नाइट्रोजन और 40 से 50 किलोग्राम फास्फोरस प्रति हैक्टेयर बुआई के समय बीज के नीचे ड्रिल करके प्रयोग करें। 43 किलो यूरिया 250 किलो सिंगल सुपर फास्फेट तथा 35 किलो म्यूरेट ऑफ पोटाश/हेक्टर दिया जाये। अगर मूंग की बुआई आलू के बाद की जाय तो बीज को राइजोबियम जीवाणु से उपचारित कर उर्वरक की आधी मात्रा देकर भी अच्छी पैदावार ली जा सकती है। परीक्षणों से देखा गया है कि मूंग की फसल को केवल 30 किलोग्राम फास्फोरस दी जाय तो पैदावार 7.5 क्विंटल प्रति हैक्टेयर मिलती है, जबकि बीज उपचार के बाद 10 किलोग्राम नाइट्रोजन, 30 किलो ग्राम फास्फोरस 20 किलोग्राम पोटाश एवं 20 किलोग्राम सल्फर प्रति हैक्टेयर देने पर मूंग की पैदावार 11 क्विंटल प्रति हैक्टेयर मिलती है। इसलिए संतुलित पोषक तत्व का प्रयोग ही करना चाहिए। (डॉ. अशोक कुमार और डॉ. मदन पाल 2005) उर्वरक को बोआई के समय कतारों में बीज से 5 से.मी. गहरा प्रयोग करना सर्वोत्तम है।

सिंचाई

बीज का अच्छा जमाव एवं बढ़वार प्राप्त करने के लिये भूमि में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। रबी फसल की कटाई के बाद एवं सिंचाई पलेवा के रूप में देना अति आवश्यक है। पहली सिंचाई बुआई के 25-30 दिन बाद और दूसरी व तीसरी सिंचाई 12-15 दिन के अंतर पर करनी चाहिए। इस प्रकार तीन सिंचाई (पहली 25-30 दिन बाद दूसरी फूल आने पर और तीसरी दाना बनते समय) करने पर मूंग की अच्छी पैदावार मिलती है। लेकिन एक विशेष बात ध्यान में रखनी चाहिए कि पहली सिंचाई जल्दी करने पर पौधों की जड़ों एवं ग्रन्थियों के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हैं।

फलियों की तुड़ाई

मूंग की तुड़ाई दो बार करनी चाहिए। पहली जब फलियाँ 50 प्रतिशत से ज्यादा पक जाएं और दूसरी जब फसल पूरी पक जाए. फलियों की तुड़ाई के बाद खेत में सिंचाई करके पौधों को मिट्टी पलटने वाले हल से पलट दें ताकि यह खरीफ की अगेती फसलों जैसे धान के लिये हरी खाद का कार्य करें।

उपज

उन्नत कृषि तकनीक अपनाने से जायद (ग्रीष्मकालीन मूंग के दानों की पैदावार 10 से 12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त हो जाती है।

प्रमुख उन्नत किस्मों की विशेषताएं

के.851:

यह किस्म संकरण (4453-23 टा. 44) द्वारा चन्द्र शेखर आजाद कृषि विश्व विद्यालय कानपुर (उ.प्र.) के दलहन वैज्ञानिकों ने विकसित की है। इसमें लगभग 85 प्रतिशत फलियाँ एक समय में पकती हैं और बाकी फलियों को पकने में 5-7 दिन लगते हैं। इस किस्म में फलियों के चटकने की समस्या भी अपेक्षाकृत बहुत कम है। फसल की एक बार में कटाई की जा सकती है। फसल 60 से 65 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इस किस्म का पौधा मध्यम आकार का (लम्बाई 60-80 से.मी.) गहरे हरे रंग का सीधा खड़े रहने वाला होता है। इसकी फलियां लम्बी और 10 से 11 दाने वाली होती हैं। दाने आकर्षक और चमकदार हरे होते हैं। एक हजार दानों का औसत वजन लगभग 42-45 ग्राम होता है। इसके दानों में लगभग 24.5 प्रतिशत प्रोटीन होती है। इस किस्म से दानों की औसत उपज 10 से 12 क्विंटल प्रति हैक्टर है। इस किस्म में पीला मोजेक रोग का प्रकोप होता है।

टाइप- 44 :

इसके पौधे सीधे उगने वाले और 60 से 70 से.मी. ऊंचे होते हैं। फसल 60 से 65 दिन में पककर तैयार हो जाती है। फलियाँ मध्यम लम्बी और 11-12 बीजवाली होती हैं। दाने औसत आकार के मटमैले हरे रंग के होते हैं। इसके पौधे सीधे बढ़ते हैं इसको कपास और गन्ने के साथ मिलवां फसल के रूप में उगाया जा सकता है। यह भी पीले मोजेक रोग तथा जीवण्विक अंगमारी रोगों के प्रति ग्रहणशील है। औसत उपज 8 से 10 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है।

पूसा वैसाखी-

यह किस्म टाइप 44 से चयन करके निकाली गई है। इसका पौधा बौना झाड़ीनुमा होता है। पत्तियाँ हरी होती हैं तथा तने पर हल्के गुलाबी धब्बे पाये जाते हैं. फूल भूरा रंग लिए हुए क्रीमी रंग के तथा बीज हरे रंग के व मध्यम आकार के होते हैं. पौधे पर प्रकाश की अवधि का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। फसल 60 से 70 दिन में तैयार हो जाती है। फलियाँ मध्यम लंबाई की और 10-11 दाने वाली होती हैं। इसको भी कपास और गन्ना के साथ मिलवां फसल के रूप में उगाया जा सकता है। इसकी पैदावार क्षमता 8 से 10 क्विं. प्रति हैक्टे. है। इस किस्म को सभी मौसमों में उगाया जा सकता है।

पी.एस.7

इस किस्म के पौधे छोटे (65-70 से.मी. ऊंचे) और गठे हुए होते हैं। पत्तियाँ चौड़ी और हल्के लाल रंग की होती हैं। यह पकने में 60 से 65 दिन लेती हैं। फलियां लम्बी 10-11 दाने वाली होती हैं एक साथ पकती हैं। फलियाँ पकने के बाद चटकती नहीं हैं, फसल को एक बार में काटा जा सकता है। दाने बड़े और मटमैले रंग के हरे होते हैं। इसकी उत्पादन क्षमता 8-10 क्विं. प्रति हैक्टे. होती है।

पी.एस. 16

यह किस्म सीधी बढ़ने वाली भा. कृ. अनुसं.प. नई दिल्ली से विकसित की गई है. यह 60-70 दिन में पककर तैयार हो जाती है। यह किस्म बसन्त तथा ग्रीष्मकालीन बुआई के लिये सम्पूर्ण भारत के लिये उपयुक्त है। पौधे की लं. 45 से.मी. तक होती है। पत्तियाँ पीलापन लिए हरे रंग की होती हैं। फूल पीले तथा बीज चमकदार हरे रंग के होते हैं। फलियाँ पतली 12 से 13 दाने वाली होती हैं। इसकी उत्पादन क्षमता 12 से 15 क्विं. प्रति हेक्टे. तक है।

पंत मूंग-1 :

पौधा सीधा बढ़ने वाला एवं गहरे हरे रंग का होता है। बीज मध्यम आकार के हरे रंग के होते हैं। यह किस्म पीला मोजेक विषाणु एवं सर्कोस्पोरा एवं चित्ती रोगों के लिए काफी हद तक प्रतिरोधी है। पकने के लिए 65-70 दिन लेती है। उपज - 10-15क्विं./हे.

पंत मूंग-2

इसका पौधा मध्यम ऊंचाई का होता है। बीज चमकीले हरे रंग एवं मध्यम आकार के होते हैं। यह किस्म पीला मोजैक विषाणु रोग के लिये मध्यम प्रतिरोधी है। जायद में यह किस्म 60-65 दिन में पक जाती है। एक फली में औसतन 10 से 11 दाने होते हैं। औसत पैदावार 6 से 8 क्विंटल प्रति हैक्टर है।

जी 65

पंजाब से विकसित 65 से 70 दिन में पककर तैयार हो जाती है। उत्पादन क्षमता 8 से 10 क्विंटल प्रति हैक्टर है। इस किस्म में पीले मोजेक रोग का प्रकोप होता है। यह ग्रीष्मकालीन खेती के लिये पंजाब हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान तथा उ.प्र.में उपयुक्त पाई गई है।

रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -
● मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.● मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें.
● रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.
● फसल चक्र अपनायें. ● उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग

जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश

परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें

उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.

● उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें. ● बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें. ● किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.● उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें. ● फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें. ● सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें. ● रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें. ● समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

फसल चक्र अपनायें

फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

पशुओं की सेहत का रखें ध्यान

गलघोंटू

यह बीमारी पाश्चुरेल्ला मल्टोसिडा नामक जीवाणुओं के प्रकोप से होती हैं।

लक्षण

इस बीमारी से ग्रसित पशु को तेज बुखार (106 से 108 डिग्री सेल्सियस तक) हो जाता हैं मुंह से बहुतायत में लार बहती हैं, सिर में तथा अगले दोनों पैरों के बीच दुखदायी सूजन, पेटशूल तथा भूख न लगना, साँस लेने में तकलीफ, खून भरे दस्त, आंखों में सूजन, जीभ बड़ी तथा लाल होना, गिटकने में कठिनाई आदि लक्षण दिखाई देते हैं।

बचाव :

बरसात से पूर्व गलघोंटू रोग विरोधी टीका ऑईल अॅडज्युव्हंट- वैक्सीन जिस पशु का शरीर भार 150 कि.ग्रा. तक हैं उन्हें लगवायें। जिन पशुओं का शरीर भार 150 किलो से ज्यादा हैं उन्हें अॅलम प्रेसिपिटेटेड वॅक्सीन 5 से 10 मिली त्वचा के नीचे लगवायें। टीकाकरण करने से पशु के शरीर में एक वर्ष तक इस रोग विरोधी शक्ति बनी रहती हैं। टीकाकरण न करने पर पशु की मृत्यु हो सकती हैं।

जहरी बुखार

इसे अंग्रेजी भाषा में अॅथ्रेक्स कहते हैं तथा ये बॅसिलस अॅथ्रॅसिस नामक जीवाणुओं के प्रकोप से होता हैं।

लक्षण

पशु को तेज बुखार होता है, पेट फूल जाता हैं, सभी प्राकृतिक छिद्रो से यानि नॉक, मुंह, योनी द्वार, गुद्दवार, कान से गहरे काले रंग का खून बहता हैं जो जमता नहीं हैं यह इस बीमारी का प्रमुख लक्षण हैं। बीमारी बढ़ने पर पशु की मृत्यु हो जाती हैं।

बचाव

बरसात से पहले इस रोग विरोधी टीका आँरी अंथ्रंक्स सीरम और साथ ही ब्रॉड स्पेक्ट्रम प्रति जैविक अंटीसीरम 100 से 350 मि.ली नस में लगवायें।

लंगड़ा रोग

अंग्रेजी में इस रोग को ब्लॅक क्वार्टर नाम से जाना जाता हैं तथा यह क्लोस्ट्रीडियम शोव्हाय नामक जीवाणुओं के प्रकोप से होता हैं.

लक्षण

पशु को तेज बुखार होता हैं, पुट्ठों पर विशेषकर पिछले पुट्ठे पर तथा शरीर में सूजन पैदा हो जाती है। पुट्ठों पर जो सूजन पैदा होती हैं उसे दबाने पर करकर जैसी आवाज आती हैं क्योंकि उसमें जीवाणु गैस (वायु) पैदा करते हैं।

बचाव

बरसात से पूर्व इस रोग विरोधी टीका (अंटीसीरम) 200 से 400 मिली नस में लगवायें।

उपाय

पेनीसिलीन, सिप्रोफ्लोक्सासीन तथा नॉर फ्लोक्सासीन जैसे प्रति जैविक इस रोग को नियंत्रण करने में काफी प्रभावशाली पाये गये हैं। लेकिन पशुओं को इस रोग की बाधा होती ही नहीं चाहिए इसलिये इस रोग विरोधी टीका बरसात से पहले अवश्य लगवा लें.

खुरपका-मुंहपका रोग

इसे अंग्रेजी भाषा मे फूट अंड माउथ डिसीज कहते हैं क्योंकि इस रोग से ग्रसित पशु के पैर तथा मुंह दोनों ज्यादा प्रभावित होते हैं.

लक्षण

इस रोग से ग्रसित पशु को तेज बुखार (104 से 106 डिग्री सेल्सियस तक) हो जाता हैं। पशु के मुंह में छाले हो जाते हैं जो बाद में फूट जाते हैं और वहाँ जख्म बन जाते हैं। इससे पशु के मुंह से लगातार चिपचिपी लार टपकती रहती हैं जो गाढ़ी होती हैं और मुंह से जमीन तक तार के माफिक टपकती रहती हैं। पशु के मुंह में दर्द होने से वह कुछ भी खा नहीं सकता अत: कमजोर हो जाता हैं। इसी प्रकार उसके खुरों के बीच भी फोड़े बन जाते हैं जो बाद में फूटकर वहां भी जख्म बन जाते हैं। पशु को काफी दर्द होने से वह चल-फिर नहीं सकता। अत: चराई नहीं कर सकता। जिससे वह और भी कमजोर हो जाता हैं।

रोग के बढ़ने पर मुंह तथा खुर पैर टेढ़े हो जाते हैं. देशी जातियों की गायों की इस रोग-विरोधी शक्ति संकर तथा विदेशी पशुओं की अपेक्षा ज्यादा होने से वह मरती नहीं हैं लेकिन शरीर में विकृतियाँ जैसे मुंह तथा खुर टेढे होना मुंह के भीतर के दाँत गिर जाना आदि नुकसान तो निश्चित होते ही हैं.

उपाय- बचाव

यह रोग विषाणु जन्य होने के कारण इस रोग का कोई उपाय नहीं हैं। रोग होने पर प्रति जैविक देना चाहिए लेकिन पशुओं को यह रोग होना ही नहीं चाहिए इसलिये बरसात से पूर्व इस रोग-विरोधी टीका क्वाड्री -व्हॅलंट फील्ड,वॅक्सीन चमड़ी के नीचे लगवाना चाहिए। यह वर्ष में दो बार लगवायें। यह करवाने से हम अपने अमूल्य पशुधन को इस बीमारी से बचाये रख सकते हैं। अत: टीकाकरण अवश्य करवायें।